वैशाख कृष्ण पक्ष-5, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 312 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 अप्रैल 2024 रविवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

चार राज्यों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट, मप्र में बादल व हवाओं के आसार

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती गर्मी और लू से लोगों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। कई राज्य शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उसके पार तक जा रहा है। लू को लेकर भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल में रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार और झारखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले कई दिनों तक गर्म हवाओं का प्रकोप रहेगा।दूसरी तरफ मप्र में बैतूल, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी और शहडोल में ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने इन जिलों में गरज - चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। देवास और रायसेन के पूर्वी हिस्से में भी मौसम बदला रहेगा। भोपाल में धूप और बादल हैं। मप्र के अधिकांश इलाकों में अभी भीषण गर्मी से कुछ राहत हैं क्योंकि मौसम में नमी या बादल या बौछारे राहत दे रही हैं।

अभिनेता साहिल गिरफ्तार

रायपुर। मुंबई क्राइम ब्रांच ने महादेव बैटिंग ऐप केस में अभिनेता और इंफ्लूएंसर साहिल खान को छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उसे मुंबई लाया गया है जहां आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। सट्टेबाजी से जुड़े इस की जांच के लिए गठित एसआईटी ने दिसंबर 2023 में साहिल और तीन अन्य को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह नहीं आया। साहिल का दावा था कि वह मेसर्स आईस्पोर्ट के साथ एक अनुबंध के तहत सिर्फ ब्रांड प्रमोटर के रूप में काम कर रहा था। उसने सट्टेबाजी के साथ सीधे जुड़ाव से इनकार किया, लेकिन पुलिस का मानना है कि वह महादेव बैटिंग ऐप का सह-मालिक था।

आप भारतीय नहीं तो अमेरिका में सीईओ नहीं बन सकते!

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने शीर्ष अमेरिकी कंपनियों में ड्रीम जॉब पाने वाले भारतीय आईटी और अन्य पेशेवरों की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि आज ऐसी स्थिति है कि प्रत्येक दस में से एक सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) भारतीय आप्रवासी हैं, जिन्होंने अमेरिका में पढ़ाई की है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, पहले कहते थे कि अगर आप भारतीय हैं तो अमेरिका में सीईओ नहीं बन सकते, लेकिन अब अगर आप भारतीय नहीं हैं तो अमेरिका में सीईओ नहीं बन सकते। चाहे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या स्टारबक्स हो, इन सब में (भारतीय मूल के) लोग आए और बड़ा बदलाव लाए। गार्सेटी ने कहा, अकेले 2023 में भारतीय नागरिकों को रिकॉर्ड 14 लाख अमेरिकी वीजा प्रदान किए गए।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का दोनों तरफ नजर आ रहा टेंशन

भाजपा का मिशन व शाह का फरमान राजधानी में सीएम ने संभाली कमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव में तीसरे चरण में मप्र भाजपा के लिये भोपाल का मतदान बहुत अहम हो गया है। अब तक बारह सीटों पर कम मतदान का टेंशन भाजपा के साथ कांग्रेस को भी है। इस बीच आज मुख्यमंत्री मोहन यादव राजधानी के शास्त्री नगर पहुंचे और कई बुजुर्ग व्यक्यिों के घर जाकर उन्होंने आयुष्मान लाभ विस्तार अभियान के तहत फार्म भरवाए। दरअसल, भाजपा ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के लिए अपना जो 'संकल्प पत्र' जारी किया है, उसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाने का वादा है।आज इस मौके पर सीएम के साथ लोकसभा चुनाव के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, विधायक भगवानदास सबनानी, मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल भी मौजूद थे। शाम को कोलार क्षेत्र में सीएम का रोड शो भी है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री भोपाल लोकसभा क्षेत्र को अब सीधे अपने देखरेख में रखेंगे।

जानकार सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह की सख्त नसीहत के बाद भोपाल लोकसभा क्षेत्र में सभी भाजपा विधायकों को भी जनता के बीच जाने के लिये कहा गया है, शाह ने विधायकों का रिपोर्ट कार्ड लोकसभा चुनाव परिणाम के आधार पर तैयार करने की बात कही है,इसके बाद विधायक व अन्य जनप्रतिनधि सतर्क हैं। भाजपा अपरहेंड के बाद भी भोपाल के मुकाबले को एकतरफा मानकर नहीं चल रही है।

बैतूल से राजगढ तक आज मुख्यमंत्री के चुनावी दौरे

मुख्यमंत्री आज बैतूल, देवास, राजगढ के चुनावी दौरे पर निकले हैं। वे घोड़ाडोंगरी कालापीपल में सभा करेगें। फिर राजगढ का रुख करेंगे। जहां सुसनेर में जनसभा होगी। वे आगर मालवा जिले के मां बगलामुखी मंदिर नलखेडा पहुंचकर पूजन अर्चन करेंगे। इसके बाद शाम 7. बजे भोपाल लोकसभा के कोलार में जनसभा व रोड शो करेंगे। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,अरूण यादव,डॉ. गोविंद सिंह व रामनिवास रावत आज ग्वालियर और शिवपुरी जिले के विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

प्रचार व रोड शो से लबरेज रविवार

लोकसभा चुनाव के दो चरणों की वोटिंग होने के बाद अब फोकस तीसरे चरण पर है। 7 मई को 13 राज्यों की 94 सीटों पर मतदान होगा। रविवार के चलते आज भाजपा की ओर से जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही अमित शाह और योगी आदित्यनाथ व अन्य स्टार प्रचारकों का चुनाव प्रचार जारी है, वहां विपक्ष में राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव पर दारोमदार है।

मोदी बोले-मुगलों के खिलाफ क्यों नहीं बोलते शहजादे

आज पीएम मोदी ने कर्नाटक के बेलगामी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ताजा बयान को मुद्दा बनाने की कोशिश की है। इसमें कांग्रेस नेता ने देश के राजा-महाराजाओं पर टिप्पणी की थी और कहा था कि एक समय देश में राजा-महाराजाओं का राज था, जो जब चाहे, जैसे चाहे, लोगों की जमीन छीन लेते थे। इस पर पलटवार करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के शहजादे को औरंगजेब के अत्याचार याद नहीं आते हैं। कांग्रेस नेता मुगलों, बादशाहों और सुल्तानों के खिलाफ क्यों नहीं बोलते हैं?

कांग्रेस का लवली मौसम अरविंदर ने बिगाड़ा, पद छोड़ा

लोकसभा चुनावों के बीच कांग्रेस को आज दिल्ली में झटका मिला। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखकर कहा , दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर बनी थी। इसके बावजूद कांग्रेस ने दिल्ली में आप से गठबंधन किया। माना जा रहा है कि प्रभारी दीपक बाबरिया को लेकर भी आक्रोश है। कई नेताओं ने बाबरिया के तौर-तरीकों पर आपत्ति जताई है। लवली के मुताबिक, उन पर बाबरिया के खिलाफ रहने वाले नेताओं को बाहर करने का भारी दबाव है इसलिए वह इस्तीफा दे रहे हैं।

धधक रहे उत्तराखंड के जंगल, जान बचाने के लिए भाग रहे हैं जानवर

देहरादून , एजेंसी।

इन दिनों कुमाऊं समेत पूरे प्रदेश में जंगलों की आग ने पूरे पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। जंगली जानवरों से लेकर आम इंसानों तक को धुएं की वजह से सांस लेना मुश्किल हो रहा है। वन्य जीव आग से जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। कई गांवों में तो आबादी तक जंगल की आग पहुंच गई है। पिछले एक माह के दौरान जंगलों में आग की घटनाओं ने तेजी पकड़ी है।

खबरों के मुताबिक बीती एक अप्रैल से लेकर 27 अप्रैल तक ही 559 वनाग्नि की घटना सामने आई। इनमें कुमाऊं की 318 घटनाएं भी शामिल है। प्रदेश में 689 हेक्टेअर वन संपदा को नुकसान पहुंचा है। जलते जंगलों से पर्यावरण विद के साथ ही स्थानीय निवासी और सरकार तक चिंतित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब गंभीरता दिखानी चाहिए तब विभाग दिखाता नहीं, जब हालात नियंत्रण के बाहर हो जाते हैं तब विभाग, आला अफसरों से लेकर जनप्रतिनिधियों को वनाग्नि और हो रहे पर्यावरण के नुकसान की याद आती है। नैनीताल वन प्रभाग में 28 घटनाएं हल्द्वानी। इस प्रभाग में संबंधित अवधि में 28 वनाग्नि की घटना हुई है। इसके अलावा पिथौरागढ़ जनपद में 69, बागेश्वर में 11, चंपावत में 37, अल्मोड़ा 43 और ऊधम सिंह नगर में 41 घटनाएं हुई हैं।

स्विगी को फटका, 187 की आइसक्रीम पर जुर्माना भरा 5 हजार

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी जैसे पॉपुलर ब्रांड को एक आइसक्रीम की डिलिवरी ना करने पर 5 हजार रुपये के जुर्माने का सामना करना पड़ा है। दरअसल, कंज्यूमर कोर्ट ने स्विगी को ऑर्डर दिया है कि वह 3,हजार रुपये जुर्माना और 2हजार रुपये कानूनी फीस के रूप में वापस में कस्टमर को वापस करे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्विगी को बेंगलुरु स्तिथ कंज्यूमर कोर्ट ने यह आदेश दिए हैं कि वह कस्टमर को आईसक्रीम की कीमत 187 रुपये को भी रिफंड करें। दरअसल कस्टमर ने एक आईसक्रीम का ऑर्डर किया। आइसक्रीम की कीमत 187 रुपये थी। कस्टमर ने बताया कि उसको आइसक्रीम डिलिवर नहीं हुई और ऐप पर डिलिवर्ड का स्टेटस आने लगा। डिलिवरी एजेंट ने आईसक्रीम शॉप से आईसक्रीम को पिकअप तो किया, लेकिन उसे डिलिवर नहीं किया। शिकायतकर्ता कंज्यूमर कोर्ट पहुंचीं तो स्विगी ने बताया कि यह सिर्फ कस्टमर और रेस्टोरेंट के बीच का मामला है।

मेट्रो एंकर सास के साथ *पति-पत्नी वाले* रिश्ते की मांग व दबाव

सास से मोहब्बत, बहू है कि मानती नहीं!

बुलंदशहर , एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सास-बहू के रिश्तों को लेकर एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसको लेकर पुलिस भी हैरान है। दरअसल, यहां एक विवाहिता अपने पति की जगह अपनी सास के साथ रहना चाहती है।

सास का आरोप है कि उसकी बहू उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए भी कहती है। बहू की ऐसी हरकतों से परेशान होकर महिला ने पुलिस की शरण ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सास यानि पीड़ित महिला पहले बुलंदशहर के कुरावली में रहती थी, लेकिन अब दिल्ली के करावल नगर में रहती है। महिला का एक बेटा और एक बेटी है। बेटे की शादी 2 साल पहले बुलंदशहर के खानपुर में हुई। शादी के बाद ससुराल पहुंची बहू ने सास के साथ अजीबोगरीब हरकत करना शुरू कर दिया। सास का कहना है कि बहू उससे पति पत्नी वाले रिश्ते रखना चाहती है। जब मना करते हैं तो जान से मारने की धमकी देती है। नशीली दवा खिलाकर अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें सार्वजनिक कर जीना हराम कर देने की धमकी भी देती है। इसी के साथ खुद आत्महत्या करने जैसी धमकी दी है। सास ने कहा कि बहू कहती है कि तुम अपने बेटे और पति से अलग हो जाओ और मेरे साथ रहो। मैं तुम्हें सही से रखूंगी, मेरे साथ में शारीरिक संबंध बनाओ। वह मोबाइल पर तरह-तरह की अश्लील वीडियो दिखाकर दबाव बनाती है कि पूरी दुनिया में सब कुछ हो रहा है. तुम भी मेरे साथ ऐसे ही रिश्ते रखो। बहू का कहती है कि मैंने तुमको जब पहली बार देखा था तो तुम पसंद आ गई थी, इसीलिए मैंने तुम्हारे बेटे से शादी की। सास का कहना है कि अगर बहू को अलग करने की बात करते हैं तो बहू और उसके माता-पिता अलग होने के नाम पर 20 लाख रुपये मांगते हैं।

फाइल फोटो

महिला सेल ने शुरू की शिकायत की जांच

सास ने कहा कि शादी को दो साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक बहू के कोई बच्चा नहीं है। बहू को लेकर डॉक्टर के पास गई और जांच कराई तो उनका कहना था कि गर्भाशय बहुत छोटा है, इसलिए बच्चे होना मुश्किल है। सास का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया में वायरलहै। वीडियो में महिला अपनी बहू को ये सब बातें बता रही है। महिला ने दिल्ली से आकर बुलंदशहर पुलिस ऑफिस में शिकायत की है।

राजधानी में रोज बदलते मौसम का नजारा

राजधानी में चिलचिलाती गर्मी के बीच बादल छाने और बूंदाबांदी मौसम सुहाना बना देती है। दिन में बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है, ऐसे में लोग तापमान के कम होने का इंतजार कर रहे है । इस बार अप्रैल उतना नहीं तप रहा, जितनी आशंका थी।

हमें बच्चों के प्रति जागरुक होने की जरूरत है: न्यायाधीश मिश्र

भोपाल। जिला न्यायालय के सभाकक्ष में शनिवार को किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किशोर न्याय बोर्ड के अधिवक्ताओं के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र, विशेष न्यायाधीश राजश्री श्रीवास्तव, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार मुराली लाल भगवती, मनोज सिंह, अरविन्द कुमार शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव आरती शर्मा एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र ने कहा कि हमें बच्चों के प्रति जागरूक होने की जरूरत है, जिस प्रकार कैलाश सत्यार्थी ने बच्चों के हितों के लिए लड़ाई लड़ी उसी भावना से सभी को कार्य करना होगा। निश्चित ही इस प्रकार की कार्यशालाओं से सभी को कानूनों की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

बालकों को अपराधों से दूर रखा जाए: जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव आरती शर्मा कार्यशाला का संचालन करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं निश्चित ही अधिनियम की धारणा के अनुरूप कार्य करने में नवीन आयाम स्थापित करेंगी। हम सब की यही धारणा है कि बालकों को अपराधों से दूर रखा जाए।

यात्री सुविधाओं से जुड़े काम तो कंपनी ने पूरे किए

आरकेएमपी: मियाद निकली कई व्यवसायिक काम अधूरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे ने निजी भागीदारी पर सबसे पहले रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय बनाने का दावा किया। लेकिन हकीकत यह है कि इस स्टेशन पर कई व्यावसायिक काम अब भी अधूरे हैं। इनमें होटल व अस्पताल जैसे प्रमुख काम है। हालांकि डेवलपमेंट कंपनी ने स्टेशन परिसर में यात्रियों की सुविधा से सीधे जुड़े कामों को पहले ही पूरा कर लिया है लेकिन जिन व्यावसायिक कामों का सवाल है तो वे भी कहीं न कहीं यात्री और अन्य लोगों की सहूलियत से ही जुड़े हैं, जिन्हें देखते हुए रेलवे ने उस समय डेवलपमेंट कंपनी को अनुमति दी थी।

उल्लेखनीय है कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को रेलवे ने सबसे पहले निजी भागीदारी के तहत विकसित करने का निर्णय लिया। उस समय पूरे काम की अवधि 3 वर्ष से भी कम रखी गई। जिसे बार–बार बढ़ाना पड़ा था, क्योंकि काम पूरे नहीं हो रहे थे। जैसे–तैसे काम पूरे हुए लेकिन वे भी यात्री की सुविधाओं से सीधे जुड़े काम थे। व्यावसायिक दृष्टि से जुड़े काम तो अब भी अधूरे हैं। असल में स्टेशन के प्लेटफार्म –1 की ओर 36 मीटर उंची बिल्डिंग, एक काम्प्लेक्स और एक व्यावसायिक काम्प्लेक्स बनना था, यह काम लगभग 90 फीसद हो चुका है। प्लेटफार्म–6 की ओर एक पांच सितारा होटल और एक अस्पताल बनाया जाना था, इसमें से कुछ कामों की तो अब तक शुरुआत तक नहीं हुई है। इसका मतलब यह है कि विश्व स्तरीय स्टेशन पर यात्रियों को अगले कुछ वर्षों तक न तो अस्पताल की सुविधा मिलेगी और न ही होटल जैसी सुविधा होगी।

300 करोड़ का था प्रोजेक्ट

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को विकसित करने का प्रोजेक्ट 300 करोड़ से अधिक रुपये का था। इसमें करीब 100 करोड़ रुपये तो सीधे यात्री सुविधाओं से जुड़े कामों पर खर्च करने के दावे किए गए। बाकी की राशि व्यावसायिक दृष्टि से किए जाने वाले कामों पर खर्च की जा रही है।

उपभोक्ता आयोग का फैसला

समय पर मकान नहीं देना बिल्डर को पड़ा भारी, अब देने होंगे, 9.71 लाख

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

समय पर उपभोक्ता को मकान बनाकर नहीं देना एक बिल्डर को भारी पड़ गया। अब उपभोक्ता आयोग ने बिल्डर को दो माह के अंदर 9.71 लाख रुपये की राशि अदा करने के आदेश दिए हैं। मामले में बिल्डर ने तर्क रखा कि उपभोक्ता द्वारा पूरी राशि समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण तय समय पर मकान का निर्माण पूरा नहीं हो सका। कई औपचारिकताओं को समय से पूरा नहीं किया। आयोग ने बिल्डर के तर्क को खारिज कर दिया और दो माह के अंदर 9.51 लाख रुपये सहित 20 हजार रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति राशि देने का आदेश दिया। यह फैसला जिला आयोग की अध्यक्ष गिरीबाला सिंह, सदस्य अंजुम फिरोज व सदस्य अरुण प्रताप सिंह ने सुनाया है।

यह है पूरा मामला

दअरसल, भोपाल निवासी ज्योत्सना भरणे ने जिला उपभोक्ता आयोग में फेम डेवलपर्स के डायरेक्टर विवेक सूर्य सिंह व धर्म सूर्य सिंह के खिलाफ 2020 में याचिका लगाई थी। उन्होंने शिकायत की थी कि उपभोक्ता ने बैरागढ़ चीचली कोलार रोड में एक आवासीय प्रोजेक्ट फेम फ्रेंच विला में प्लाट 15 लाख रुपये में बुक किया था। उस पर 41 लाख रुपये में मकान का निर्माण करना तय हुआ था। उपभोक्ता ने दो बार में 9.51 लाख रुपये जमा कर दिए थे। उपभोक्ता को तय समय पर बिल्डर ने मकान बनाकर नहीं दिया। ऐसे में आठ साल से उपभोक्ता को किराए के मकान में रहना पड़ रहा है।

साधु वासवानी स्कूल में हुनर सिखाने बाल अभिव्यक्ति शिविर एक मई से

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल/मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में एक मई से प्रातः 8 से 11 बजे तक बाल अभिव्यक्ति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उनके ग्रीष्मकालीन अवकाश के सदप्रयोग हेतु विभिन्न गतिविधियां जिसमें चित्रकला, मेहंदी, खेलकूद, योगा, संगीत, हस्तलेखन सुधार, नृत्यकला, पुस्तकालय, कुकिंग अंग्रेजी स्पोकन, सेल्फ ब्यूटीशियन कोर्स, कैलीग्राफी, बेस्ट ऑफ वेस्ट, हेप्पी क्लासेस आदि का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी जी बताया कि इस समर कैंप में विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश के सदुपयोग के साथ उनकी छिपी हुई प्रतिभा भी सामने आएगी, साथ ही बच्चों के समय का सदुपयोग हो इस हेतु ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी लायब्रेरी में रखी गई है, जिसे प?कर विद्यार्थी ज्ञान अर्जित कर सकते हैं, इसके साथ ही खेलों की भी व्यवस्था की गई है जिसमें विभिन्न खेल खो-खो, वालीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि खेल कोच द्वारा सिखाएं जाएंगें। योगा,खेलकूंद एवं हेप्पी कक्षाएं सुबह 7 से 8 बजे तक निशुल्क लगाई जायेगी जिसका लाभ सभी विद्यार्थी ले सकते है। बाल अभिव्यक्ति शिविर के समापन अवसर पर समस्त प्रशिक्षण के दौरान प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा अतः अभिभावकों से अनुरोध हैं कि ग्रीष्मकालीन अवकाश का सद्पयोग करने बच्चों का सर्वांगीण विकास एवं समग्र ज्ञान प्राप्त करने हेतु अपने बच्चों को बाल अभिव्यक्ति शिविर का सहभागी बनाएं।

मेट्रो एंकर श्रीराम मंदिर निर्माण कर मोदीजी ने 500 वर्षों का सपना पूरा किया - रामेश्वर

हुजूर में जनसंपर्क अभियान, आज कोलार में सीएम का रोड शो

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विधायक रामेश्वर शर्मा के साथ भोपाल लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा ने शनिवार को हुजूर विधानसभा में जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान रातीबड़ एवं फंदा के दो दर्जन से अधिक गाँव पहुँचे साथ ही संत हिरदाराम नगर एवं गांधीनगर मण्डल के विभिन्न क्षेत्रों में भी जनसंपर्क करने पहुँचे।

इस दौरान लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने लोकसभा चुनाव के लिए नागरिक बंधुओं का आशीर्वाद लिया । विधायक रामेश्वर शर्मा ने जनसंपर्क के दौरान नागरिक बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग़रीब का पक्का मकान भी बनाया ओर दूसरी तरफ़ करोड़ों हिंदुओं के आस्था का केंद्र जिसकी प्रतीक्षा हमे 500 से थी श्रीराम मंदिर का निर्माण भी कराया। शर्मा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों का कार्यकाल विकास और कल्याण को समर्पित रहा। शर्मा ने बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिक बंधुओं से आने वाली 7 मई को आलोक शर्मा को कमल के फूल के सामने वाला बटन दबाकर विजय बनाने का आग्रह किया।

आज सीएम का रोड शो कोलार में

विधायक रामेश्वर शर्मा में बताया लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा के समर्थन में मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को शाम 7 बजे कोलार के सर्वधर्म शादी हॉल से सर्वधर्म पुल तक रोड शो कर जनता का आशीर्वाद लेंगे। मुख्यमंत्री के रोड शो के लिए कोलार में विशेष तैयारियां भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही है।

सेवासदन में एक माह तक वृद्धजनों का निःशुल्क नेत्र रोग परीक्षण

हिरदाराम नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में एक माह 29 अप्रैल से 28 मई 2024 तक के लिये 60 वर्ष से अधिक उम्र के नेत्र रोगियों का निःशुल्क नेत्ररोग परीक्षण किया जायेगा । प्रथम आवे प्रथम पावे पद्धति से दिन में अधिकत्तम 50 बुजुर्गों का पंजीयन और जांचें की जायेगी । नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने बताया है कि 60 वर्ष या अधिक उम्र के लोगों को 6 महीने या एक वर्ष में एक बार अपनी आंखों की जांच जरूर करवा लेनी चाहिये । वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, टीवी और अन्य उपकरणों के बहुतायत उपयो ग के कारण भी दृष्टि खराब होने की संभावना बनती है । खानपान और मधुमेह रोग के कारण भी नेत्र स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है । सेसनेचि के प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने वृद्धजन को इस निःशुल्क नेत्ररोग परीक्षण सुविधा का लाभ उठाने और आवश्यकता पड़ने पर नेत्ररोगों का यथासमय इलाज करवाने का सुझाव दिया है ।

चीतों के लिए तैयार रहवास देखकर लौटी दक्षिण अफ्रीका की टीम, अब बताएगी चीतें देंगे या नहीं

– गांधी सागर अभयारण्य में लाए जाने है चीते
– यहां दो दिन तक रही विदेश की टीम, तैयारियों का जायजा लिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दक्षिण अफ्रीका की टीम गांधी सागर अभयारण्य में की जा रही तैयारियों का जायजा लेकर लौट गई है। अब वह बताएगी कि भारत के लिए चीते दिए जाएंगे या नहीं। यह टीम 24 अप्रैल को गांधी सागर पहुंची थी, जिसमें शामिल 5 सदस्यों ने दो दिन तक चीतों को बसाने के लिए की जाने वाली अग्रिम तैयारियों का जायजा लिया। अभयारण्य घूमा, खासकर चीतों को रखने के लिए जो बाड़े और हाउसिंग बनाई है उनका जायजा लिया। उनके लिए भोजन के इंतजामों की जानकारी ली। अभयारण्य में शाकाहारी वन्यप्राणियों की मौजूदगी को टेलीस्कोप से देखा। सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की है।

रिपोर्ट तैयार कर अपने साथ ले गई टीम

टीम में शामिल 5 विशेषज्ञों ने गांधी सागर अभयारण्य पर एक रिपोर्ट तैयार की है, उसे वह अपने साथ ले गए हैं। रिपोर्ट प्रत्येक बिंदुओं के आधार पर कमियों को रेखाकिंत किया है, जो कि चीतों को बसाने में दिक्कत पैदा कर सकती है। हालांकि अभी उक्त रिपोर्ट से मप्र वन्यप्राणी विभाग के अधिकारियों को अवगत नहीं कराया है। सूत्रों की माने तो रिपोर्ट को दक्षिण अफ्रीका में टीम उच्च प्रबंधन के पास रखेगी, उस पर चर्चा होगी, उसके बाद उसे भारत से साझा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कूनो में चीतों को बसाया गया है। इसके बाद गांधी सागर अभयारण्य में भी इन्हें बसाया जाना है। इसकी तैयारियां पिछले दो साल से चल रही है। इसके लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम पूर्व में भी दौरा कर चुकी थी लेकिन तैयारियां होने के बाद पहली बार आई थी। यह टीम कूनो भी गई थी वहां बसाए गए चीतों के रहवास स्थल को देखा और प्रगति की रिपोर्ट ली।

खजुराहो में कम मतदान की वजह युवाओं के बेरंग लौटना, वीडी ने आयोग को लिखा पत्र

कम वोटिंग: अब आयोग 1 मई से कहेगा 'चलें बूथ की ओर'

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लोकसभा चुनाव में मतदान के पहले दो दौर में कम वोटिंग से राजनीतिक दल ही नहीं बल्कि निर्वाचन आयोग भी चिंतना में है। अब तृतीय एवं चतुर्थ चरण का मतदान क्रमशः 7 मई एवं 13 मई को होने जा रहा है इसलिये अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने 'चलें बूथ की ओर' अभियान प्रत्येक मतदान केन्द्र पर चलाये जाने की तैयारी की गई है। सीईओ अनुपम राजन ने यह निर्देश संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये हैं। राजन ने कहा कि कि तृतीय चरण के लिये यह अभियान एक मई एवं चतुर्थ चरण के लिये 7 मई को चलाये साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अन्य आयोजन भी करें।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बूथ जागरूकता समूह के सदस्यों, कैम्पस एम्बेसडर, रहवासी कल्याण समिति, चुनावी साक्षरता क्लब, गैर सरकारी संगठन, चुनाव पाठशाला तथा स्थानीय लोगों के माध्यम से सघन स्वीप गतिविधियां आयोजित कर लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिये जागरूक एवं प्रेरित करने की कार्यवाही की जायेगी। उधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जिन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान शेष है, वहां के कलेक्टर व रिटर्निंग अधिकारी को यह निर्देश दें कि डिजिलॉकर में रखे दस्तावेजों को भी मतदान के लिए स्वीकार करें, ताकि युवा पीढ़ी मतदान के मौलिक अधिकार का उपयोग कर सके।

खजुराहो में मतदान से वंचित रहे युवा

वीडी शर्मा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से पत्र में कहा है कि खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान के दौरान कई युवा वोट देने पहुंचे। अधिकारियों ने जब उनसे दस्तावेज मांगे, तो उन्होंने डिजिलॉकर में रखे गए दस्तावेज दिखाए। तब कई मतदान केन्द्रों पर मतदान अधिकारियों ने डिजिलॉकर में सुरक्षित रखे गए दस्तावेजों को स्वीकार नहीं किया और दस्तावेजों की हॉर्ड कॉपी मांगी। इसके कारण अनेक युवाओं को मतदान से वंचित होना पड़ा इससे लोकसभा क्षेत्र के मतदान में करीब 5 प्रतिशत की कमी आई।

जनआर्शीवाद यात्रा पर शिवराज

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा लोकसभा की खातेगांव विधानसभा के ग्राम मचवास से जन-आशीर्वाद यात्रा पर है। वं सीएम की जन-आशीर्वाद यात्रा खातेगांव विधानसभा के 30 से ज्यादा गांवों से गुजरी। इस दौरान गांव-गांव में आमजन ने शिवराज का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। बहनों ने शिवराज को तिलक लगाकर आरती उतारी और सिर पर हाथ रख आशीर्वाद दिया। साथ ही बहनों ने अपने भैया शिवराज के हाथ में नारियल और चुनाव लड़ने के लिए 10-10 रूपए थमा दिए। इस अवसर पर शिवराज ने कहा मैं नेता नहीं, भैया और मामा हूं।

यादव-सिंधिया ने की सभाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह के समर्थन में करेरा विधानसभा एवं गुना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में कोलारस विधानसभा के बदरवास एवं बामोरी विधानसभा के म्याना में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय चंबल के बीहड़ों में डाकुओं का आतंक था। दिन-दहाड़े डाकू लोगों को उठा ले जाते थे, लेकिन इन डाकुओं के राज में कांग्रेस ने लोगों को लावारिस छोड़ दिया। भाजपा की सरकार ने चंबल के बीहड़ों से डाकूओं का पूरा सफाया कर दिया और अब ऐसा ही सफाया कांग्रेस पार्टी का भी करना है। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी के बदरवास में जनसभा को संबोधित किया।

चीनी सामान जैसी है मोदी गारंटी - कांग्रेस

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव, डॉ. गोविंद सिंह एवं हेमंत कटारे ने भिण्ड, दतिया और ग्वालियर जिले का संयुक्त दौरा किया एवं कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा की एवं कांग्रेस के प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। पटवारी ने कहा कि मोदी के बारे में कई बातें कही जाती है, कोई कहता है वडनगर स्टेशन पर चाय बेचते थे पर सच्चाई ये है कि उस समय वडनगर स्टेशन नहीं था। कोई कहता है एनसीसी कैडेट थे पर सच्चाई ये है कि उस समय गुजरात में उनके स्कूल में एनसीसी नही था ।कुल मिलाकर बात यह है कि चीन के सामान की जिस तरह की गारंटी होती है कुछ इस तरह की है मोदी गारंटी। पटवारी ने कहा कि अमृत काल में संविधान बचाने की चर्चा हो रही है, चुनाव होंगे कि नही इसकी बात हो रही है।

एमसीयू में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू, 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन

मैरिट सूची एवं ऑनलाइन साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश होंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के बिशनखेड़ी स्थित नवीन परिसर माखनपुरम के विभिन्न विभागों एवं रीवा, खंडवा, दतिया परिसर में मैरिट सूची एवं ऑनलाइन साक्षात्कार के आधार पर प्रवेश होंगे। यह जानकारी देते हुए विवि के कुलपति प्रोफेसर डॉ. केजी सुरेश ने बताया कि विवि पहली बार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए सीयूईटी-यूजी में शामिल हुआ है। विद्यार्थी 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में 12वीं के प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा। इसी तरह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी स्नातक के 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा।

भोपाल परिसर में यहां होंगे प्रवेश

भोपाल परिसर में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों जिसमें पत्रकारिता, जनसंचार, विज्ञापन एवं जनसंपर्क, प्रसारण पत्रकारिता, डिजिटल जर्नलिज्म, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मीडिया रिसर्च, फि ल्म प्रोडक्शन, न्यू मीडिया, मीडिया बिजनेस मैनेजमेंट, एमसीए, एमलिस में स्नातक परीक्षा में निर्धारित योग्यताधारी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। वहीं बीबीए ई-कामर्स, बीएससी ग्राफि क्स एनिमेशन, बीटेक प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग, बीलिस पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में भी 12वीं परीक्षा में निर्धारित योग्यताधारी विद्यार्थी फार्म भर सकते हैं।

रुक जाना नहीं योजना

12वीं की परीक्षा 20 मई से, 10वीं की 21 मई से होंगी शुरू, 5 मई तक आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। ओपन बोर्ड द्वारा रुक जाना नहीं योजना के अंतर्गत 12वीं की परीक्षा 20 मई से 7 जुलाई तक और 10वीं की परीक्षाएं 21 से 31 मई तक होंगी। इससे पूर्व 10 से 18 मई तक निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। परीक्षा में पेपर एमपी बोर्ड के कोर्स के अनुसार ही होंगे। विद्यार्थी मई की परीक्षा में भी पास नहीं होते हैं, तो उन्हें दिसंबर में दूसरा मौका दिया जाएगा। रुक जाना नहीं में मई की परीक्षा में जो स्टूडेंट पास हो जाएंगे, वह 11वीं में नियमित प्रवेश ले सकेंगे। जो दिसंबर की परीक्षा में पास होंगे, वे अगली परीक्षा प्राइवेट या ओपन स्कूल बोर्ड से दे सकेंगे। वे नियमित छात्र के रूप में शामिल नहीं हो सकेंगे। राज्य ओपन बोर्ड दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं आयोजित करेगा। रुक जाना नहीं योजना के अंतर्गत परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को ओपन बोर्ड की मार्कशीट मिलेगी। परीक्षा सिर्फ उन विषयों की ही देनी होगी, जिनमें फेल हुए हैं।

मेट्रो एंकर | **नोटिस जारी कर पूछी जाएगी खरीदी नहीं करने की वजह**

लापरवाही : 600 से अधिक केंद्रों ने गेहूं का एक दाना तक नहीं खरीदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के 600 से अधिक केंद्रों ने अब तक समर्थन मूल्य पर गेहूं का एक दाना नहीं खरीदा है। ऐसे केंद्रों को नोडल एजेंसी ने अब कार्यवाही के दायरे में लिया है और इन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। खरीदी नहीं करने की वजह पूछी जाएगी। प्रदेश में 15 मार्च से गेहूं खरीदी की शुरूआत हो गई थी जिसने 20 मार्च से पूरी तरह जोर पकड़ लिया था। करीब 3600 केंद्रों को खरीदी करना था लेकिन इनमें से करीब 3000 हजार केंद्र ही अब तक खरीदी शुरू कर सकें।

यह है खरीदी नहीं करने की वजह

जब से गेहूं खरीदी शुरू हुई है तब से मौसम रह-रहकर खराब हो रहा है। ओला वृष्टि और बारिश हो चुकी है। जिन केंद्रों ने खरीदी शुरू नहीं की है उनके पास खरीदे जाने वाले गेहूं को बारिश से बचाने के संसाधन ही नहीं है। वह खुले में खरीदी करने की मंशा पाले हुए थे लेकिन खरीदी करते तो गेहूं भींग जाता और नुकसान की भरपाई उन्हें करनी पड़ती। इस भय के कारण उन्होंने खरीदी ही शुरू नहीं की। सूत्रों की माने तो इन केंद्रों को गेहूं खरीदी करने के लिए संसाधन जुटाने थे जिस पर एक बड़ी राशि खर्च होती, लेकिन इन्होंने रुपये खर्च करने से हाथ पीछे खींच लिए।

प्रदेश में गेहूं खरीदी लक्ष्य से पीछे

प्रदेश में अब तक करीब 33 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है जो पिछले करीब डेढ़ महीने में लक्ष्य के अनुरूप कम है। नोडल एजेंसी के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक खरीदे गए कुल गेहूं में से 27 लाख मीट्रिक टन गेहूं गोदामों में जमा हुआ, जबकि अब तक 66 हजार मीट्रिक टन गेहूं रिजेक्ट किया जा चुका है। खरीदी की धीमी व्यवस्था के बावजूद गोदामों में गेहूं जमा करने की प्रक्रिया भी कमजोर है।

भुगतान के लिए करना पड़ रहा इंतजार

किसानों को गेहूं बेचने के बाद 15 से 20 दिन भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक परिवहन की व्यवस्था कमजोर है जो गेहूं समिति से खरीदा जाता है वह 8 से 10 दि बाद उठ रहा है। जब गोदामों में पहुंचता है तो उसमें से ज्यादातर गेहूं तो जमा कर लिया जाता है लेकिन कुछ गेहूं को रिजेक्ट कर दिया जाता है। उधर नियम है कि जब तक गोदामों में गेहूं जमा नहीं हो जाता, तब तक किसानों का भुगतान नहीं होगा।

किसानों की परेशानी बढ़ी

केंद्रों द्वारा गेहूं खरीदी करने की वजह से किसानों की परेशानी बढ़ी है। किसानों को गेहूं बेचने के लिए दूर के केंद्रों में ले जाना पड़ रहा है जिसके कारण लागत बढ़ गई है और फायदा कम हो रहा है।

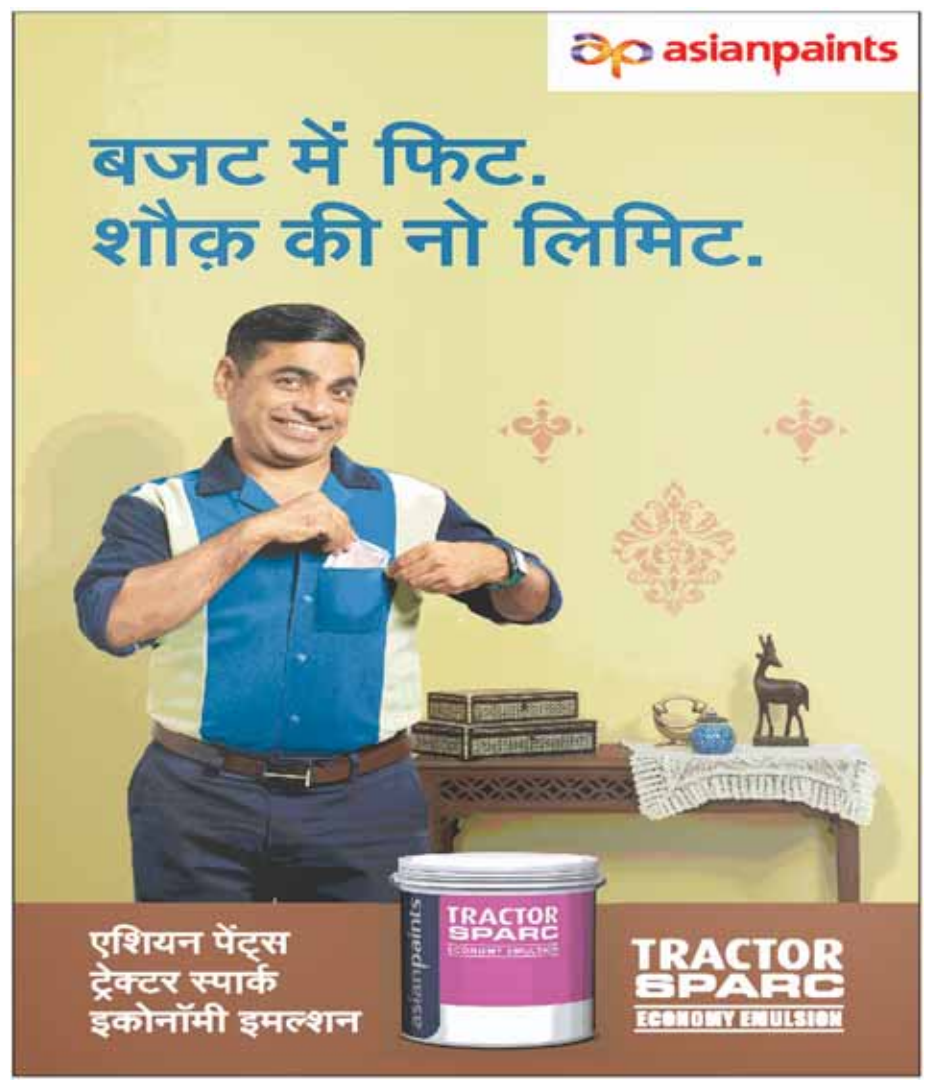

स्वयं सृजन की दुनिया में आज सिविल सेवा कहां

■ मनोज श्रीवास्तव

मुझे 1985 से 1987 तक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) और 1987 से 2021 तक भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहकर कार्य करने का अवसर मिला। पर मुझे हमेशा लगा कि मैं पहले लेखक था, सिविल सेवा में रहते हुए भी मेरा लिखना नहीं छूटा और अब जब सेवानिवृत्ति के बाद सिविल सेवा छूट चुकी है, मेरा लेखन जारी है। सो मेरी पहचान तो वही हो सकती है जो निरंतर हो, न कि वह जो आनुषंगिक थी। कई बार साहित्यकारों को यह चीज़ बड़ी अखरती है कि सिविल सेवा के लोग साहित्य में क्यों चले आते हैं। हिन्दी का माहौल इस मामले में उड़िया से भिन्न है। आधुनिक उड़िया साहित्य में ब्यूरोक्रेट साहित्यकार के प्रति किसी तरह का पूर्वाग्रह नहीं दिखता। पर हिन्दी में मेरे अग्रज अशोक वाजपेयी जी तक के प्रति मैंने उनके मुक़ाबले बहुत साधारण साहित्यकारों तक में हिक़ारत का भाव देखा है।

मैं इस मनोविज्ञान को समझना चाहता हूँ। यह शायद हिन्दी प्रदेश की ही बीमारी न हो। एक समय एज़रा पाउंड ने टी एस इलियट को उनकी क्लर्की से मुक्त कर उन्हें साहित्य मात्र पर एकाग्र करने के लिए Bel Espirit नाम की एक निधि स्थापित की थी जिसके 30 सब्सक्राइबर्स को प्रतिवर्ष पाँच वर्ष तक दस पाउंड देते रहने थे ताकि इलियट अपनी प्रतिभा को संकेंद्रित कर सकें। भारत में ऐसा कुछ इस दौर में हुआ तो नहीं दीखता।उलटा ज़रूर होगा कि ब्यूरोक्रेट साहित्यकार को साहित्य से ही विरत करने की कोशिश की जाये। या तो उसका साहित्य के श्रेष्ठि वर्ग के द्वारा नोटिस ही नहीं लिया जाये या फिर उनकी अवमानना या अवगणना करके संतुष्ट हो लिया जाए।

मैं दरबारी साहित्यकारों की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं प्रशासक साहित्यकारों की बात कर रहा हूँ। चंदबरदाई और रहीम प्रशासक साहित्यकार थे, राजकवि न थे। यह दिलचस्प है कि जैसे चंदबरदाई हिन्दी काव्य की आरंभिकी से जुड़े हैं, वैसे ही ज्याफ्री चौसर अंग्रेज़ी साहित्य की आरंभिकी से। इसलिए E&ecutives would never want to tamper in the valleys of poetrymaking की जो बात डब्ल्यू एच ऑडेन

कहते थे, वह सिविल सेवा के इतिहास में बार बार असत्य प्रमाणित की गई है। यह मानना कि सिविल सेवा एक सृजनात्मक कर्म है, हमारे कुछ साहित्यालोचकों को कठिन पड़ता है। कुछ तो - बल्कि बहुत-सा - दोष तो स्वयं सिविल सेवकों का है। इसलिए यदि ऑफिस ऑफिस या यस मिनिस्टर सफल होते हैं तो उसके पीछे कुछ वास्तविक कारण हैं। यदि चार्ल्स डिकेंस Circumlocution Office के रूप में सिविल सेवा को चित्रित करते हैं या Vaclev Havel अपने नाटक स्द्द्वश में राजभाषा के चक्करों के मजे लेते हैं-बल्कि वह राजभाषा Ptydepe के नाम से एक नई भाषा है जो जैसा कहती प्रतीत होती है, उसके ठीक विपरीत प्रभाव पैदा करती है, जिसे हम ऑरवेल और कॉफ्का की रचनाओं में भी देखते हैं- तो अकारण नहीं है।

लेकिन सृजनात्मक सिविल सेवा की बात करना स्वयं सिविल सेवा के धुरंधरों के पेट में दर्द पैदा करता है। वे इसे नियम तोड़ने का दूसरा नाम बता सकते हैं। प्रसिद्ध नौकरशाही एम एन बुच स्वयं बताते थे कि कैसे बैतूल में बांग्लादेशी शरणार्थियों को बचाने के चक्कर में उन्होंने सारे नियम तोड़ दिये थे पर रिकॉर्ड समय में वह काम कर भी दिखाया। तब तत्कालीन मुख्य सचिव नरोन्हा जी ने उनकी तमाम अनियमितताएँ एक कागज पर लिखवाईं और May approve लिखकर मुख्यमंत्री जी के पास गये और उनके हस्ताक्षर प्राप्त कर लौट आये। तब लोकायुक्त न था, न लोकपाल ही, लेकिन आज स्वयं सिविल सेवा ही एक आंतरिक द्रोह से ग्रस्त है। इसके बावजूद धीरे-धीरे सिविल सेवा में सृजन ने नवाचार के नाम पर अपनी जगह बना ली है। यानी यदि अब एक रचनात्मक प्रक्रिया ब्यूरोक्रेसी में तमाम आंतरिक अंतर्विरोध के होते हुए भी पनप रही है तो यह समझा जा सकता है कि यह क्रिएटिव पुश अपने भीतर कितना वेग लिए हुए है। पर स्वयं सृजन की दुनिया में सिविल सेवा कहां है? हिन्दी में ही नहीं, लोकप्रिय सिनेमा में भी यह बात अक्सर मैंने नोट की है कि सिविल सेवा से सम्बन्धित उनका ट्रीटमेंट इतना सतही रहता है। एक फ़िल्म थी जिसमें संपत्ति पंजीयक (रजिस्ट्रार) नायिका के जलवे दिखाये गये थे। ऐसे रजिस्ट्रार कहाँ मिलते हैं? सूर्या का राजकुमार कितना कृत्रिम कलेक्टर है। यानी दिक़्क़त यह है कि हमारे पटकथा लेखकों के लिए न केवल कलेक्टर बल्कि स्वयं जनता भी कल्पना के प्रवर्तन हैं और वही कल्पना उन रिश्तों के बारीक यथार्थ डिटेल्स को पकड़ने में असमर्थ है। जिस यथार्थवाद की इतनी वकालत हिन्दी साहित्यकार करता है, वह यथार्थ कोई वस्तु नहीं है, रिश्ता है। और उस रिश्ते की जटिलताएँ सिविल सेवक जितना समझता है, क्या साहित्यकार समझ पाता है?

फेसबुक वॉल से साभार, लेखक सेवानिवृत्त आईएएस अफसर हैं

पत्रकारिता को आईना भी दिखाना चाहिए...

■ यश भारती

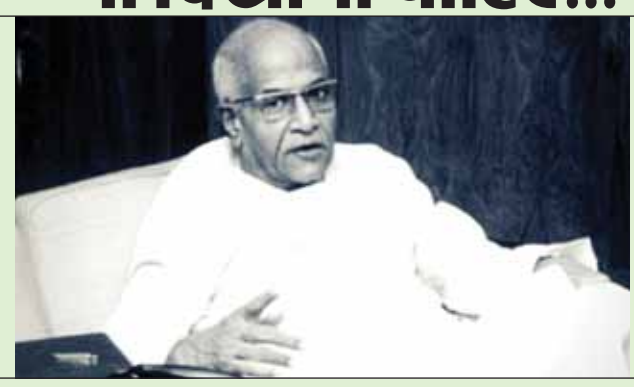

मौजूदा पत्रकारिता की तुलना करने के साथ-साथ पत्रकारिता को आईना भी दिखाना चाहिए, मैंने थोड़ा पढ़ा रामनाथ गोयनका को जो इंडियन एक्सप्रेस के मालिक रहे है और मप्र से भी उनका रिश्ता रहा है विदिशा लोकसभा सीट से,1971 में सांसद रहते। उन्हें पढ़ता गया तो रूचि भी बढ़ती गई, बहुत कुछ तो नहीं पढ़ पाया लेकिन जितना पढ़ा वो आपको एक बार जरूर जानना चाहिए । एक बार मध्यप्रदेश के किसी बड़े नेता ने रामनाथ गोयनका से उनके रिपोर्टर की तारीफ कर दी थी। उसके बाद गोयनका ने उसे निकाल दिया था यह कहते हुए कि सत्ता अगर रिपोर्टर से खुश है मतलब वो ईमानदार नहीं है।

खुद के खिलाफ खबरें फ्रंट पेज पर

इमरजेंसी के वक्त गोयनका लोकसभा के सदस्य थे। पीएम इंदिरा गांधी और उनकी सरकार गोयनका को चारों तरफ से घेरने में लगी थी। संसद में उन पर तो बाहर उनके अखबार पर हर तरह का दबाव बनाया जा रहा था। इसके बावजूद वो डटे रहे। चाहते तो अपने अखबार का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कर सकते थे पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। यहां तक कि उस समय एक्सप्रेस के संपादक के जरिए उन्होंने कहलवा रखा था कि उनके खिलाफ संसद में जो भी कहा या किया जाए उसे पहले पेज पर छापा जाए। उनके बचाव या उनकी मदद करने के लिए आई खबरों को अंदर के पन्नों पर छापा जा सकता है। एक्सप्रेस के संपादक उस समय मुलगावकर थे जो हिन्दुस्तान टाइम्स के संपादक होते हुए एक मुकदमे की खबर अपने ही अखबार में पहले पेज पर छाप चुके थे। सो उन्होंने इसका बखूबी पालन किया।

खुद की फोटो नहीं पसंद

जेपी यानी जयप्रकाश नारायन अमेरिका से गुर्दों का इलाज करवा के लौटे थे। बंबई हवाई अड्डे पर वो उतरे तो रामनाथ गोयनका उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाकर लाउंज की तरफ ला रहे थे। प्रेस फोटोग्राफरों ने फोटो खींचनी शुरू कर दी। इंडियन एक्सप्रेस के फोटोग्राफर ने भी गोयनका के साथ ही जेपी के स्वदेश लौटने फोटो खींची। छपी भी यही। अब चर्चा होने लगी कि फोटोग्राफर की खैर नहीं। दरअसल गोयनका को उनकी फोटो अखबार में छपना कतई पसंद नहीं था। हालांकि उन्हें बता दिया गया कि जो छपा, वही सबसे अच्छी फोटो थी। और किसी एंगल से फोटो नहीं ली जा सकती थी। इस पर वो ज्यादा नाराज़ तो नहीं हुए। फिर भी उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के बाद जब पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी तो उसके प्रधानमंत्री बने मोरारजी देसाई। उन्होंने एक बार कहा कि हम राजनीतिज्ञों की तुलना में रामनाथ जी की इमरजेंसी की लड़ाई कहीं अधिक नाजुक, निर्णायक और महत्वपूर्ण थी। 1975 से 1977 तक लगी इमरजेंसी के वक्त इंडियन एक्सप्रेस को दिए जाने वाले सारे विज्ञापन बंद कर दिए गए थे। अखबार छपने के समय वो प्रिंटिंग प्रेस की बत्ती काट दिया करते थे। इस वजह से अखबार समय से लोगों के पास नहीं पहुंच पाता था। इसके बाद गोयनका पर अखबार का संपादक बदलने का दबाव बनाया जाने लगा। फिर उन्होंने सेंसरशिप लगवा दी लेकिन गोयनका ने सरकार की बात नहीं मानी। बल्कि सेंसर किए गए एडिटोरियल की जगह को खाली छोड़ दिया। अखबारी दुनिया में पहले कभी इस तरह का विरोध नहीं किया गया था। जब संजय गांधी की मौत हुई तो उन्होंने इंदिरा गांधी से टकराव की बातें भुलाकर उन्हें एक पत्र लिखा। अपने अखबार के पहले पन्ने पर खुद एक संपादकीय भी लिखा। बाद में उन्होंने इंदिरा गांधी को फ़ोन कर भी अपना शोक प्रकट किया। बिजनेस टाइकून धीरूभाई अंबानी और रामनाथ गोयनका के बीच के कड़वे संबंधों को आज भी याद किया जाता है।

(लेखक सपा प्रवक्ता हैं)

अटलांटिक: सड़क से गुजरते हुए देख सकते हैं सील और व्हेल

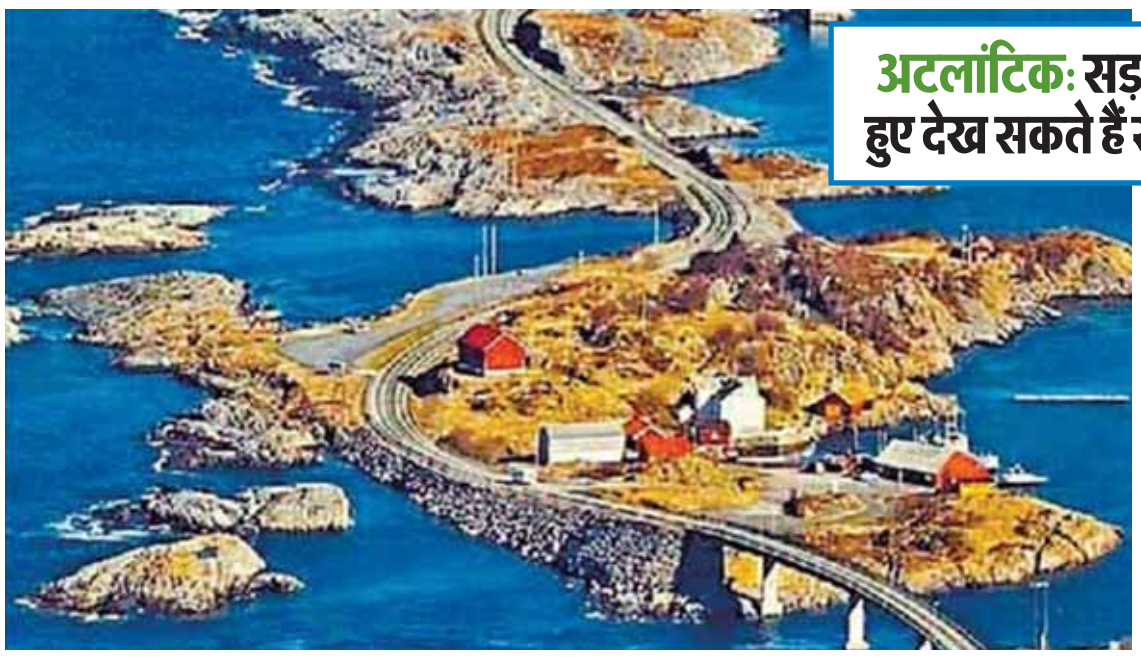

नॉर्वे की अटलांटिक रोड विश्व भर में मशहूर है। इस मार्ग को मूल रूप से एक रेलवे लाइन के रूप में प्रस्तावित किया गया था, लेकिन इस विचार को शीघ्र ही छोड़ दिया गया। सड़क एक द्वीप से दूसरे द्वीप तक आठ पुलों और चार विश्राम स्थलों के बीच बनी हुई है। सड़क नॉर्वेजियन सागर में फैली हुई है। इसलिए यहां से गुजरते समय सील और व्हेल जैसे जलीय जीवों को देखना भी संभव है। इसके लिए द्वीपसमूह में कई पर्यटन स्थल बनाए गए हैं।

गर्मियों की छुट्टियां और भूले-बिसरे दिन, आखिर कहां चली गई बच्चों की मस्ती और मौज

■ डॉ. नाज परवीन

एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों का नाम सुनते ही गांव की खुली हवा, दादी-नानी का आंगन नीम की छांव में चहलकदमी करते बच्चें, पेड़ों में डले झूलें, परंपरागत खेल याद आने लगते थे। गर्मियां आने से पहले ही दादी-नानी, बुआ- मौसी के घरों में गर्मियों की छुट्टियों की तैयारियां शुरू हो जाया करती थी, जिनका आनंद सुहाना लगता था।दरअसल, यह एक ऐसा अवसर होता था जब परिवार के सभी भाई-बहनों का जमावड़ा एक साथ एक जगह एक ही समय पर होता था। घर का माहौल शादी-ब्याह के समारोह जैसा लगने लगता था। बच्चे भी स्कूल और पढ़ाई के तनाव से कुछ पल के लिए छूट जाते थे और प्रकृति की गोद में हस्ते खिलखिलाते थे । हालांकि स्कूल के द्वारा गृहकार्य या होमवर्क बराबर मिलता था लेकिन वह भी विशेषकर इमला-राइटिंग या निबंध-पहाड़े लेखन आदि से आगे कम ही होता था।

यह एक ऐसा समय होता था जब छुट्टियों का अलग ही आनन्द होता था। जब माता-पिता बड़े-बूढ़ों के दबाव में स्कूल की छुट्टियों का काम करने का दबाव न बना पाते थे और बच्चे प्रतिदिन के जकड़न भरे नियमों से दूर हो लेते थे, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने में काम आते थे साथ ही उनकी यादों के कैलेण्डर में एक खूबसूरत सा अध्याय जुड़ जाता था जिसे वो अपनी स्मृति में संजो लेते थे।आज भी ऐसे अनगिनत किस्से हमारी यादों के पिटारे में मौजूद हैं जिनमें हमने बंधन मुक्त मौज-मस्ती से भरी छुट्टियों का आनन्द लिया था। लेकिन अब ज्यादातर मामलों में ऐसा देखने को नहीं मिलता। आज की गर्मियों की छुट्टियां पहले से विकसित हो गई हैं। आज भी गर्मियां आते ही बच्चों को जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार रहता है, वो है स्कूलों की छुट्टियां। बच्चों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं होता। लेकिन अब हम पहले जैसी छुट्टियों की स्वतंत्रता को खोते जा रहे हैं। अब हम ज्यादा विकसित और समझदार छुट्टियां गुजारने लगे हैं, जिससे बच्चों पर दबाव कम होने की बजाय उन पर अनचाहा दबाव बनाते जा रहे हैं। जिससे बच्चा एक स्कूल से निकल दूसरे स्कूल के चक्कर में फंसता जा रहा है।

शहरी संस्कृति के समर कैंप, एक्स्ट्रा क्लासेस, दुनियाभर की एक्टिवीज के जाल से बच्चे अपनी छुट्टियों की आजादी को एन्जॉय ही नहीं कर पा रहे हैं। वे अब परंपरागत् खेलों से अनजान होते दिखाई दे रहे हैं गिल्ली-डंडा, खो-खो, कोड़ा मार, लुका-छुप्पी, गुटटे, गिप्पा आदि अनेक खेलों का जन्म इन्हीं गर्मियों की छुट्टियों की देन है, जिन्हें आज की पीड़ी नहीं जानती। आज की पीड़ी इन्हें मोबाइल गेमों में तलाश रही है। जिन खेलों का जन्म ही शारीरिक विकास के लिए किया गया होगा उन्हें ऑन स्क्रीन गेम की तरह एंजॉय करना विकसित छुटिटयों की देन है। बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां ऐसी होनी चाहिए जहां सालभर की भागम-भाग से इतर, स्कूल की आपा-धापी न हो, न ही सुबह की गहरी नींद से उठने का कोई नियम बनाया जाए और उन्हें ऑनस्क्रीन खेलों में माहिर नहीं बल्कि नए-नए खेलों के स्वतंत्र रचनाकार बनाया जा सके। कोई दबाव और पाबंदी न हो। आज के दौर में जहां ज्यादातर घरों में माता-पिता दोनों ही कामकाजी हैं, वहां कुछ समय निकालकर बच्चों की छुट्टियों को यादगार बनाने का प्रयास किया जा सकता है। यह परिवार के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक कदम हो सकता है। हालांकि गर्मियों की छुट्टियां घर में थोड़ा काम बड़ाने वाली हो सकती हैं लेकिन यह सही समय होता है जब हम अपने बच्चों को कई रचनात्मक कार्यो को करना सिखा सकते हैं, साथ ही उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से उन पर एक्स्ट्रा क्लासेज का दबाव उन्हें काम के दबाव से निपटने का रास्ता

निकालने नहीं देता। हम बच्चों को इस समय आउटडोर गेम की महत्ता समझा सकते हैं, जरूरतमंदों की मदद करना सिखा सकते हैं, नए स्थानों की खोज की जिज्ञासा उत्पन्न कर सकते हैं। परिवार के साथ अलग-अलग तरह के खेलों को मिलकर खेलना सिखा सकते हैं, घर पर विज्ञान और मनोरंजन के महत्व को समझा सकते हैं, उन्हें अच्छे प्लानर बनने में मदद कर सकते हैं। उनकी गर्मियों की छुट्टियों की रूपरेखा उन्हीं के अनुसार बनाकर पढ़ाई और खेल-कूद में बराबर का ताल-मेल बैठा सकते हैं।

बच्चों की दुनिया में ताजगी देते हैं ये दिन

गर्मियों की छुट्टियां आज के दौर के बच्चों के लिए पहले से भी ज्यादा खास हो जाती हैं। यदि हम कुछ विशेष बातों का ख्याल रखें तो हम अपने बच्चों की छुट्टियों को न केवल खास बना सकते हैं बल्कि उन्हें अनेक नई बातों को सीखने-समझाने का माध्यम भी बन सकते हैं। उन्हें तनाव मुक्त भी रख सकते हैं ताकि वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों को पूरा इंजॉय कर सके, जिससे वे अपने आपको पूरी ऊर्जा के साथ आने वाले नए सत्र के लिए तैयार कर सकें। साथ ही खुद को सिलेबस के बोझ तले दबा हुआ न महसूस करें बल्कि खुद को विपरीत परिस्थिति से उभारने वाले योद्धा के तौर पर तैयार करें। पिछले कुछ समय से बच्चों में बढ़ते तनाव की खबरों में होने वाला इजाफा इस बात की तस्दीक करता है कि हम बच्चों के स्वतंत्र बचपन में छेड़ छाड़ कर रहे हैं उन पर वो बोझ डाल रहे हैं जिसको उठाने की उम्र उनकी नहीं है। बच्चों की छुट्टियों पर उनका पूरा अधिकार है हमें उन्हें दबाव और तनाव मुक्त जीवन देने की प्लानिंग करनी होगी ताकि वो अपने तनाव मुक्त जीवन के स्वतंत्र रचनाकार बन सके।

- साभार

कहां है नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अमला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने को लेकर कई बार कार्रवाई की जा चुकी है लेकिन अतिक्रमण जस का तस फिर से हो जाता है. दोबारा अतिक्रमण होने के पीछे वजह क्या है? वजह बिल्कुल साफ है कि नगर पालिका द्वारा जो अतिक्रमण हटाओ अमला तैनात किया गया है. वह दुकानदारों से सांठ गांठ बनाने में माहिर बताया जाता है. नगर के मीनाक्षी चौक की ओर जाने वाले रोड पर कॉलेज के सामने अस्थाई दुकानें लगाना मना है लेकिन यहां पर ढेर सारी दुकान अस्थाई रूप से लगी हुई है. जिनसे अतिक्रमण हटाओ दल द्वारा वसूली किए जाने के भी चर्चे हैं। मुख्य बाजार में तो हालात और भी ज्यादा खराब है. बाजार में दुकानदारों द्वारा अपनी हदों से बाहर सड़कों पर ढेर सारा सामान फैला के रखा हुआ है. जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है. एस एन जी स्कूल के सामने वाली सड़क वीआईपी सड़क कही जाती है इस सड़क के दोनों और दर्जनों दुकानें सड़कों पर लगी हुई है।नगर का हृदय स्थल कहा जाने वाला सतरस्ता क्षेत्र भी अतिक्रमण की चपेट से मुक्त नहीं है. गत वर्ष यहां से अस्थाई रूप से बैठे दुकानदारों को हटाया गया था लेकिन यहां फिर से अतिक्रमण करके दुकानदार बैठ गए।

दैनिक वेतन भोगी को बनाया अतिक्रमण दल प्रभारी.. सीएमओ नहीं दे रहे ध्यान

अतिक्रमण हटाने का कार्य बड़ा महत्वपूर्ण कार्य है लेकिन नगर पालिका का ध्यान इस पर जरा भी नहीं है. पूर्व सीएमओ नवनीत पांडे द्वारा अतिक्रमण को लेकर गंभीरता दिखाई गई थी और उनके द्वारा अतिक्रमण की कार्रवाई भी होती रही लेकिन वर्तमान में पदस्थ महिला सीएमओ का इस ओर ध्यान न होने से हालात फिर से वैसे हो गए हैं जैसे पहले थे।

नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए एक अमला तैनात किया गया है. मजेदार बात तो यह है कि इस हमले का प्रभारी एक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को बनाया गया है. इस कर्मचारी के पास नगर पालिका ने वकायदा एक वाहन दे रखा है जिस पर सवार होकर अतिक्रमण हटाओ अमला दिन भर शहर की सड़कों पर घूमता रहता है लेकिन अतिक्रमण हटाने को लेकर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती। हर महीने इस वाहन में हजारों रुपए का डीजल फूँक दिया जाता है. क्या यह वाहन सिर्फ दल को दिनभर सैर सपाटे के लिए मुहैया कराया गया है या नगर पालिका के पास डीजल फूँकने के लिए जबरदस्त राशि है जो आंख बंद करके इस वाहन पर खर्च की जा रही है।

इनका कहना है-

जहां-जहां सड़कों पर अतिक्रमण पसरा हुआ है. वहां व्यवस्था ठीक की जाएगी. चलिए दिखवाते हैं कहां क्या हो रहा है.

-हेमेश्वरी पटले सीएमओ,
नगर पालिका परिषद, नर्मदापुरम

लोकसभा चुनाव - 2024 मतदान प्रक्रिया संपन्न

लोकसभा क्षेत्र होशंगाबाद के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 1247298 मतदाताओं ने किया मतदान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 17 के तहत संपूर्ण संसदीय क्षेत्र एवं जिलेभर में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। संसदीय क्षेत्र की बात करें तो पूरे क्षेत्र में 1247298 मतदाताओं ने मतदान किया जिसमें 687674 पुरुष मतदाता एवं 559594 महिला मतदाताओं तथा 30 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद अंतर्गत आने वाली जिले की चारों विधानसभा में कुल 650505 मतदाताओं ने मतदान किया। इस दौरान 354373 पुरुष मतदाओं और 296108 महिला मतदाताओं सहित 24 थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र की नरसिंहपुर विधानसभा में कुल 156808 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 85555 पुरुष तथा 71251 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। तेंदूखेड़ा विधानसभा में कुल 133255 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 73897 पुरुष तथा 59358 महिला मतदाता एवं 0 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। गाडरवारा विधानसभा में कुल 145617 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 81548 पुरुष तथा 64067 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। उदयपुरा विधानसभा में कुल 161113 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92301 पुरुष तथा 68810 महिला मतदाता एवं 2 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। वही नर्मदापुरम जिले की बात करें तो सिवनीमालवा विधानसभा में कुल 172715 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93593 पुरुष तथा 79116 महिला मतदाता एवं 6 अन्य मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। होशंगाबाद विधानसभा में 139690 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 74727 पुरुषों और 64956 महिला मतदाताओं तथा 7 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। सोहागपुर विधानसभा में 167117 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 92859 पुरुषों और 74252 महिला तथा 6 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया। पिपरिया विधानसभा में 170983 मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें 93194 पुरुषों और 77784 महिला मतदाताओं तथा 5 अन्य मतदाताओं ने मतदान किया।

संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद की आठों विधानसभाओं में कुल 71.73 प्रतिशत पुरुषों ने,एवं 62.39 प्रतिशत महिलाओं ने तथा 56.6 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने मतदान किया।

मेला प्रांगण के अंतिम छोर पर मतदान केंद्र होने से 2 दिन मेला बंद रखना प्रशासनिक अक्षमता

बाहर से आए दुकानदारों को भारी परेशानी ,मेले में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नगर से मात्र 6 किलोमीटर दूर भीलट देवस्थान पर भीलट बाबा का मेला लगता है। मेले प्रांगण के अंतिम छोर पर एक मतदान केंद्र होने के कारण जनपद पंचायत सिवनी मालवा द्वारा पूरे मेले को दो दिन के लिए बंद कर दिया गया था । मेला 2 दिन बंद रहने के कारण बाहर से आए हुए व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीलट देव के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं में भी नाराजी देखी गई । विश्व हिंदू परिषद में इस लापरवाही पर घोर आपत्ति ली है ।

प्रशासन हिंदुओं के प्रसिद्ध मेले बर्बाद

सुविधा और सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि जिले में चुनिंदा स्थानों पर ही मेले का आयोजन होता है । जो प्रशासन मेला समिति न बनाकर पूरी व्यवस्थाएं अपने हाथ में रखता है । यही कारण है कि मेले में घोर अव्यवस्था और लापरवाही देखी जा रही है । इन लापरवाही के चलते मेलों का स्वरूप दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है । पूरा प्रशासन जिले के सभी प्रसिद्ध मेलो को खत्म करने पर उतारू है । विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग मंत्री शिव राठौर, बजरंग दल के नगर अध्यक्ष डा. सौरभ रघुवंशी, ग्रामीण प्रखंड मंत्री उमेश अंकिले, नगर उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, नगर संयोजक भुरु बग्गन, नगर सह संयोजक निक्की राठौर, नगर उपाध्यक्ष तरुण सुनानिया, नगर धर्माचार्य संपर्क प्रमुख ओम प्रकाश जोशी, नगर मठ मंदिर संपर्क प्रमुख कृष्णकांत तिवारी, नगर सामाजिक समरसता प्रमुख रविंद्र छिरेले ने बताया कि मेले में घोर अवस्था के संबंध में सोमवार को ज्ञापन सौंप कर प्रशासन को सचेत किया जाएगा । इसके बाद भी यदि प्रशासन मेले में व्यवस्थाएं नहीं करता है तो मंगलवार से आंदोलन किया जाएगा । शिव राठौर में प्रशासन पर आरोप लगाया और कहा कि मेले में फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, पुलिस व्यवस्था, शौचालयों की साफ सुथरी व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, और आपातकाल के लिए कोई भी व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं है । ग्राम पंचायत कार्यालय में भी ताला लगा रहा रहता है।

मतदान केंद्र होने के कारण 2 दिन मेल बंद रखना अनुचित

विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री शिव राठौर ने प्रशासन के द्वारा मेले को बंद कराए जाने के संबंध में कहा है कि सिर्फ मतदान केंद्र होने के कारण दो दिन मेले को बंद करना अनुचित है । प्रशासन को चाहिए था कि अलग-अलग मतदान केंद्र होने के बाद वेरिकेट व्यवस्था कर उसे सुरक्षित करना था, मेला बंद करना पूर्णतः अनुचित और भीलट देव के प्रति आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था के खिलाफ है ।

मेले में सुविधा और सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं

लगातार डेढ़ माह तक चलने वाला नर्मदा पुरम जिले का सबसे बड़ा मेला अवस्था और लापरवाही का शिकार है मेले में दूर-दूर से व्यापारी आकर अपनी दुकान लगाते हैं और यहां व्यवस्था के नाम पर पानी लेने दूर-दूर जाना पड़ता है एकमात्र पुराना कुआं है इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉक्टर की इयूटी तो लगा दी जाती है किंतु एंबुलेंस की कोई व्यवस्था नहीं है फायर ब्रिगेड का दूर-दूर तक पता नहीं है इतना ही नहीं सुरक्षा की दृष्टि से कोई भी पुलिसकर्मी मेले में तैनात नहीं है जिसके कारण यातायात व्यवस्था भी अस्त व्यस्त है । इसके संबंध में जब हमने जनपद पंचायत में कार्यरत और मेला प्रभारी विपिन तिवारी से पूछा तो उन्होंने बताया कि मेला प्रांगण से लगे स्कूल में मतदान केंद्र होने के कारण मेला बंद रखा गया था । हमने सुरक्षा और व्यवस्था के लिए सभी विभागों को पत्र लिखकर मेले की सूचना दी है और सुविधाओं की मांग की है ।

बचपन में किया भजन पचपन के बाद भी काम आएगा :पंडित दीक्षित

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा के ग्राम दमाडिया बानापुरा में रघुवंशी परिवार मे चल रही श्री मद्भभागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस की कथा श्रवण कराते हुए पं. राकेश दीक्षित ने भक्त पहलाद की कथा सुनाते हुए यह संदेश दिया की हम हमारे जीवन में भगवान के भजन कीर्तन सतसंग के लिए पचपन का इंतजार ना करे अपितु बचपन से ही भगवान का भजन पूजन सत्संग करे जो हमारे सम्पूर्ण जीवन मे काम आयेगा और फिर बुढ़ापे मे हमारा मन जगत से छूटकर जगदीश के श्री चरणों में लग जायेगा और हमारा मरण सुधर जायेगा पं. दीक्षित ने बताया कि इसलिए बालक ध्रुव एवं प्रहलाद ने बचपन से भगवत नाम पकड़ लिया था तो जीवन धन्य हो गया था तो आप भी अपना जीवन धन्य बनाये और भगवान की सरणागति पाये।

बिना पंजीयन, लाइसेंस के अवैध रूप से चल रहे फर्नीचर उद्योग

सिरोंज। मुखबिर की सूचना पर वन मंडल अधिकारी के निर्देशन में दल गठित कर आनंदपुर क्षेत्र के शिव प्रकाश विश्वकर्मा उर्फ पप्पू विश्वकर्मा पुत्र रतनलाल विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष निवासी आनंदपुर के घर जारी सर्च वारंट के आधार पर छापामार कार्रवाई की गई। मौके पर घर में जैसे ही वन अमला अंदर गया पप्पू विश्वकर्मा पप्पू विश्वकर्मा को कार्य करते हुए देखा गया घर में उनकी पत्नी उपस्थित रहे सूचना भेजने पर वर्तमान सरपंच प्रेम नारायण विश्वकर्मा और पूर्व सरपंच आशीष शर्मा पप्पू विश्वकर्मा के घर पहुंच गए और । पप्पू विश्वकर्मा से लकड़ी कास्ट खरीदी, और फर्नीचर, संबंधी फर्नीचर उद्योग निर्माण, के संबंध में पंजीयन, लाइसेंस, के दस्तावेज मांगे गए संबंधित के पास किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं पाए गए अर्थात पप्पू विश्वकर्मा अवैध रूप से फर्नीचर उद्योग निर्माण करता रंगे हाथों पाया गया। अन्य पड़ोसी गांव के लोग भी उपस्थित रहे इन सभी की उपस्थिति में मौके पर घर के आंगन में रखा हुआ फर्नीचर और चिरान कास्ट कच्ची लकड़ी अन्य फर्नीचर बनाने में उपयोग सामग्री बड़ा आरा कटर, वसूली, हथौड़ी, अन्य समस्त प्रकार की सामग्री को सभी के के समक्ष रहते हुए जपती की कार्रवाई की गई। जप्ती की कार्रवाई के दौरान घर की अन्य किसी सामग्री को नुकसान एवं अन्य प्रकार की अंदर की सामग्री को वन अमले द्वारा स्पर्श नहीं किया गया। वन अधिनियम के तहत वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण जांच में लिया गया।

कार्रवाई में जब्त किया गये सामान का विवरण

दो ड्रेसिंग, चार नग सेट सोफा फ्रेम, एक बड़ी कटर, छोटी आरी, वसूला, गुनिया ,ड्रिल मशीन, कास्ट चिरान मशीन, रोडर मशीन, इंची टेप आदि अन्य प्रकार की उपयोग में आने वाली सामग्री को जप्त किया गया। जप्त वनोंपज की कीमत अनुमानि 35000 आकी गई है। मौके पर ही अभियुक्त शिव प्रकाश विश्वकर्मा पिता रतनलाल विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष निवासी आनंदपुर का गिरफतार किया गया। रेंजर मुकेश कैन द्वारा बताया गया की जंगल में वन सुरक्षा के साथ-साथ अवैध उद्योग फर्नीचर निर्माण कार्यों के ऊपर कार्रवाई जारी रहेगी।

मेट्रो एंकर किसानों को मूंग की फसल में सिंचाई के लिए पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिल पा रहा

भीषण गर्मी में वोल्टेज नहीं, घर में बच्चे और खेत में किसान परेशान, नेताओं की नहीं सुन रहे अधिकारी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो। सिवनी मालवा धरमकुंडी, खपरिया, डोलरिया और बौराखेड़ी बिजली के फीडर से सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिल पा रहा है। बिजली अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं जिसके कारण 15 दिन गुजर गए और आश्वासन मिलते रहे परिणाम स्वरुप किसानो की मूंग की फसल सूखने लगी है । ऐसी स्थिति में किसानो की हित और किसानों का संरक्षण का दावा करने वाले किसान संगठन भी फील्ड से नदारत है ।

नेताओं की नहीं सुन रहे अधिकारी

सिवनी मालवा क्षेत्र में अफसर शाही का यह आलम है कि वह किसी की सुनने को तैयार नहीं। अधिकारी नेताओं के फोन उठाने को तैयार नहीं है और फिर अगर उठा भी लेते हैं तो सर जी सर कह कर बात टाल देते हैं काम नहीं करते । इसका परिणाम यह हो रहा है कि जनता की नजर में हमारे आदरणीय नेताओं का रुतबा तो कम हो ही रहा है आम जनता बेहद परेशान है । परेशान होकर जब जनता चक्का जाम और पुतला दहन जैसे कार्यक्रम करती है तब अधिकारी गण थोड़ा बहुत काम करके जनता को खुश कर लेते हैं ।

बिजली व नहर विभाग के अधिकारी भी नहीं बनबा पा रहे है व्यवस्था

पिछले 15 दिन का समय गुजर गया किसानों को मूंग की फसल में सिंचाई के लिए पर्याप्त वोल्टेज नहीं मिल पा रहा है किसान सभी स्टेशनों के चक्कर लगा रहे हैं जहां से सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। लगातार आश्वासन मिलने और वोल्टेज नहीं मिलने के कारण सिंचाई नहीं हो पा रही और मूंग की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है । इसी प्रकार चौतलाय, मकड़ई उपनहर से खेतों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जिसके

सिर्फ आंदोलन की भाषा ही समझते हैं अधिकारी

बिजली विभाग और तवा नहर विभाग के अधिकारी अपनी अपनी व्यवस्था बनाने की बजाय किसान को सिर्फ आश्वासन ही देने में जुटे हैं । लगातार आश्वासन मिलने के कारण किसने की खेत में खड़ी मूंग की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है । ग्राम रतवाड़ा, बगवाड़ा, दतवासा, कोटलाखेड़ी, चौतलाय, सोयत, खपरिया, झिल्लाय सहित अनेक गांवों के किसान दिन और रात में फीडरों के चक्कर काटते और बिजली आने का इंतजार करते हैं। नहर में पानी नहीं होने के चलते नहर विभाग के अधिकारियों से संपर्क करते हैं । दोनों ही विभाग के अधिकारियों से केवल आश्वासन मिलता है । अव्यवस्थाओं का यह आलम है कि किसान खेत में रहकर पानी और बिजली की बाट जोह रहा है और उसका परिवार गांव में भीषण गर्मी में तपता हुआ पर्याप्त वोल्टेज आने का इंतजार कर रहा है ।

नपा की लाखों की राशि खर्च फिर भी शहरवासियों को कूड़े से नहीं मिली मुक्ति

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर को साफ स्वच्छ बनाने के लिए लाखो रुपए की राशि खर्च हो है। इसके बाद भी शहर के विभिन्न स्थानों पर लगने वाले कचरे के ढेरो से निजात दिलाने के लिए धरातल पर काम नहीं किया जा रहा है। नगर में आज भी कई स्थानों पर तथा मुख्य मार्गों पर भी घरों से निकलने वाले कचरे को डालने का काम किया जा रहा है। इसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है बोरवाड़ी में स्थित धार्मिक स्थलों के पास तथा सार्वजनिक स्थान होने के बाद भी सड़क पर ही कचरे का ढेर लगाया जाता है ।इसी तरह कस्टम पथ माता मंदिर के पास में ही सड़क पर खुले में कचरा डाला जाता है जो कई घंटों तक यहां से उठाया नहीं जाता है। इसी तरह नगर पालिका शादी हाल के बाहर भी कचरा का ढेर सड़क पर ही लगा दिया जाता है ऐसे दृश्य शहर में अनेक स्थानों पर आसानी से देखने को मिल जाएंगे नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी जानकारी होने के बाद भी अंजान बने रहते हैं। वहीं नगर पालिका सीएमओ के द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को ठीक करने के लिए धरातल पर काम नहीं किया जा रहा है । दूसरी ओर जनप्रतिनिधि भी शहर का धरातल पर भ्रमण नहीं करते हैं इस वजह से नगर वासियों को गंदगी से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। वहीं नाले नालियों की साफ सफाई भी नहीं होने से इनमें कचरे का अंबाला लगा हुआ है इस वजह से शहर के कई स्थानों की छोटी-छोटी नालियां चौंक पड़ी हुई है इनमें से निकलने वाली गंदगी सड़क पर ही बाहती रहतीं है, मंडी बाईपास रोड पर तो कई लोगों के द्वारा सड़क पर ही गंदगी करने का काम किया जा रहा है इसकी जानकारी होने के बाद भी ऐसे लोगों को समझा देने का काम भी नगर पालिका के जिम्मेदार नहीं कर रहे हैं। मुख्य सड़कों की सफाई कई दिनों तक नहीं कराई जाती है। हर बार स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए शासन के द्वारा लाखों रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाती है । जिसको खर्चे तो कर दिया जाए पर इसका फायदा शहर वासियों को होते हुए दिखाई नहीं दे रहा ।

22 वर-वधु एक ही पंडाल के नीचे बंधे परिणय बंधन में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम ललितपुर में शुक्रवार को राजपूत समाज ललितपुर द्वारा आयोजित आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 वर वधु परिणय बंधन में बंधे. वर वधु ने एक ही पंडाल के नीचे अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए. जिसकी साक्षी वर वधुओं के परिजनों के साथ ही बड़ी तादाद में मौजूद क्षेत्र की जनता बनी. सहायक सचिव उपेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि राजपूत समाज ललितपुर द्वारा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन श्री हनुमान मंदिर ग्राम ललितपुर में किया गय। जिसमें 22 जोड़ों के विवाह संपन्न हुये। इस मौके पर पं. मथुरा प्रसाद चतुर्वेदी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारों के साथ हिंदू रीति रिवाज से विवाह संपन्न कराया गया. उन्होंने बताया कि समिति द्वारा बीते वर्ष से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। सम्मेलन में वर वधुओं के परिजनों के साथ ही समाजजनों एवं क्षेत्र की जनता ने शामिल होकर वर वधुओं को आशीर्वाद दिया. कार्यक्रम में कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, नरेंद्र पालीवाल, , राकेश रघुवंशी, अरविंद रघुवंशी, राकेश शर्मा अंकित साहू के साथ ही बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं क्षेत्र के लोग शामिल हुए इस दौरान पर वर वधुओं को विभिन्न। उपहार भी प्रदान किये गए।

दिनभर बादलों की लुका-छुपी से बढ़ी उमस

सिरोंज। शनिवार को दिनभर आसमान पर बादलों की लुका छुपी का दौर चलता इस वजह से उमस और गर्मी के कारण जरूर लोगों को जरूर परेशानियों का सामना करना पड़ा मौसम में आए दिन हो रहे बदलाव के कारण मौसमी बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ता ही जा रहा है। जिसमें पेट दर्द उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है कभी तापमान में वृद्धि होती है तो कभी तापमान में गिरावट हो जाती है, कभी धूप इतनी तेज लगती है कि घरों से निकलना मुश्किल होता है फिर मौसम बदलाव के बाद हल्की-फुल्की बारिश हो जाती है तो फिर तापमान में गिरावट आ जाता है इस कारण से परेशानी बढ़ रही है।

बिजली की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान

सिरोंज। बिजली वितरण कंपनी के द्वारा लाइनों में मेंटेनेंस के नाम पर वैसे ही बिजली की कटौती की आ रही है । दूसरी और अघोषित कटौती के कारण भी उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को हाजीपुर फीटर से कई क्षेत्रों की सप्लाई बंद रहने से व्यापारियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा उनका व्यापार प्रभावित हुआ दूसरी ओर बिजली नहीं आने से लोगों को पानी के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ा इस तरह की स्थिति शहर में आए दिन निर्मित हो रही है । इसकी जानकारी होने के बाद बिजली वितरण कंपनी के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा बिजली की कटौती के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाया जा रहे हैं। वहीं लोगों का कहना है कि अभी तो गर्मी का पूरी तरह से अपना विकराल रूप दिखाना भी प्रारंभ नहीं हुआ है तब तब ऐसी हालत हो रहे हैं जैसे ही गर्मी का रौद्र रूप देखने को मिलेगा तब क्या होगा अभी तो थोड़ा सा ही लोड बढ़ने पर ही लाइनों में फाइट हो रहा है । जब लोड अधिक पड़ेगा तब क्या हालात होंगे उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली वितरण कंपनी को बिजली कटौती से मुक्ति दिलाने के लिए धरातल पर ठोस कदम उठाने चाहिए।

अपील: लोकसभा निर्वाचन 2024 में अपने अमूल्य मत का प्रयोग अवश्य करें

कलेक्टर ने उपार्जन कार्यों का जायजा लिया, स्वीप कार्यक्रम में हुए शामिल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर वैद्य और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने आज संयुक्त रूप से ग्यारसपुर अनुभाग क्षेत्र में भ्रमण कर मतदान केन्द्रों का जायजा लिया है। खासकर अटारी खेजड़ा, मानोरा मोहम्मदगढ, हैदरगढ़ के मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से किये जा रहे प्रबंधों की क्रॉस मॉनिटरिंग की है। कलेक्टर ने अटारी खेजड़ा के दो मतदान केंद्र देखने के उपरांत मोहम्मदगढ़ और हैदरगढ़ के क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का भी जायजा लिया है

उपार्जन कार्योंका अवलोकन

कलेक्टर ने भ्रमण के दौरान कोलुआ धामनोद में गेहूं उपार्जन के संपादित किये जा रहे कार्यों का स्थलीय भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से संवाद कर उपार्जन के संबंध में उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने किसानों को समय पर भुगतान हो उपार्जन कार्यों के दौरान समस्याओं से सामान सामना ना करना पड़े के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

बाउंड ओवर की कार्यवाही

कलेक्टर श्री वैद्य और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने हैदरगढ़ थाना क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया और यहां बाउंड ओवरों के संबंध में की गई कार्यवाही का जायजा लिया है। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसके लिए पूर्व में किए जाने वाले प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने छात्रावासी विद्यार्थियों का हौसला अफजाई करते हुए खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। इससे पहले जनजातीय कार्य विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में विभाग के माध्यम से संपादित किया जा रहे कार्यों में छात्रवासी विद्यार्थियों की भी महती भूमिका है।

छात्रावासी विद्यार्थियों ने चित्रकला से मतदान का संदेश दिया

ग्यारसपुर में जनजाति कार्य विभाग के द्वारा संचालित बालक छात्रावास में मतदाता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था यहां कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला सम्मिलित हुए। कलेक्टर ने छात्रावासी विद्यार्थियों के द्वारा मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में चित्रकला के हुनर से संदेशों के संप्रेषण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि उनके घर के सभी सदस्य मतदान करें और उनकी बाई तर्जनी पर अमिट स्याही लगी है कि नहीं का जरूर पता करें इसी प्रकार की प्रेरणा अपने आस पड़ोस के मतदाताओं को भी दें।

कलेक्टर, एसपी ने किया क्रिटिकल मतदान केन्द्रों व बॉर्डर चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

सिरोंज। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज विदिशा जिले के ग्यारसपुर तहसील अंतर्गत आने वाले मनौरा और हैदरगढ़ क्षेत्र में पहुंचकर क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर किए गए प्रबंधों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। जिन मतदान केन्द्रों में व्यवस्थाओं को लेकर खामियां पाई गई उन्हें दुरुस्त करने के निर्देश भी कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा दिए गए हैं। साथ मौजूद पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने भी सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने मतदान केन्द्रों के साथ-साथ क्षेत्र के बॉर्डर चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया है। उन्होंने यहां तैनात एसएसटी दल के सदस्यों से संवाद कर निगरानी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से यह अपील भी की है कि लोक सभा निर्वाचन 2024 में वह अपने अमूल्य मत का प्रयोग अवश्य करें।

कलेक्टर श्री वैद्य ने ग्यारसपुर तहसील के हैदरगढ़ में एकीकृत माध्यमिक शाला पहुंचकर स्कूली विद्यार्थियों से पढ़ाई के संबंध में चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले का विशेष ध्यान रखा जाए।

मेट्रो एंकर सम्मेलन में हजारों कांग्रेस कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ली

लता वानखेड़े कार्यकर्ता सम्मेलन में हुई शामिल कहा-हमारे लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

ग्राम गुरोद मरखेड़ा, सोमवारा सतपाड़ा, एचदा में कार्यकर्ताओं के साथ स्नेहिल संवाद कर सागर लोकसभा को प्रगतिशील बनाने का संकल्प लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में सभी ने एक साथ विकसित भारत प्रगतिशील सागर लोकसभा का संकल्प लिया ! ग्राम सोमवारा में पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत मरखेड़कर के नेतृत्व में आधा दर्जन सरपंचों एवम दर्जनों मुस्लिम महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ली एवम मरखेड़कर जी द्वारा सभी का भव्य स्वागत सत्कार किया गया,ग्राम खड़ेर में नरेंद्र राजपूत ने एस सी वर्ग के दर्जनों पुरुष महिलाओं ने सदस्यता दिलाई । एवं जगह-जगह बानखेड़े जी का भव्य स्वागत किया गया।

वानखेड़े ने कहा की हमारे लिए देश से बढ़कर कुछ नहीं

यह देश हमारा गौरव, सम्मान और स्वाभिमान है। 2014 से पहले का भारत और आज का भारत देखो जमीन आसमान का अंतर है मोदी जी ने देश का मान बड़ाया है आज देश अग्रणी देशों में खड़ा कर दिया हैं। वानखेड़े के साथ विधायक सूर्य प्रकाश मीणा एवं नटेरन जनपद अध्यक्ष संगीता यशपाल रघुवंशी भी सभी ग्रामों में दौरे में देर रात्रि तक साथ रही। गंज बासौदा नपा उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर ने अपने निज निवास पर लता वानखेड़े, विधायक जनपद अध्यक्ष सभी अतिथियों का स्वागत किया विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा की हमारी सहज सरल प्रत्याशी दीदी लता वानखेड़े को शमशाबाद विधानसभा से भारी मतों से विजय बनाना हे और हर एक कार्य कर्ता को मतदान के दिन धूप नहीं देखना हैं और सुबह से ही भाजपा के पक्ष में मतदान कराना है इस दौरान शमशाबाद क्षेत्र विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, लाखन सिंह कुशवाहा जिला परिषद सदस्य, कल्याण सिंह अहिरवार जिला परिषद सदस्य, वरिष्ठ नेता लक्ष्मीनारायण तिवारी, दिनेश शर्मा, मनोज साहू, निर्मल धाकड़, सचिन तिवारी, जनपद अध्यक्ष संगीता यशपाल रघुवंशी, ज्योति शाह, पूरन सिंह रघुवंशी जनपद अध्यक्ष मंडी बामोरा, नरेंद्र राजपूत संदीप, वीर सिंह रघुवंशी रायपुर, ठाकुर जी देवेश मीना, संजू चौक से, प्रदीप लड्डू गोपाल जोहद, रघुवीर राजपूत, शैलेन्द्र ठाकुर, रामसिंह राजपूत बहादुर सिंह धीरज सिंह अरूण रघुवंशी संग्राम सिंह सुधीर दांगी रघुवीर सिंह, दातार सिंह राजकुमार राजपूत, गणेश गौर भवानी सिंह हाकम सिंह रघुवंशी संदीप गुर्जर, भागीरथ सिंह, लाखन कुशवाह जनपद सदस्य अंसुज शर्मा दिमान सिंह कुशवाह चक्रेश शर्मा तोरण सिंह लालाराम चिढ़ार जसवंत मीणा,सालक राम साहू संतोष मराठा सभी कार्यकर्ता सहित वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मां बनने के बाद सदमे में थीं सोनम , बढ़ गया था वजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर ने एक इंटरव्यू में बेटे वायु को जन्म देने के बाद हुए वेट गेन पर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्होंने 32 किलो वजन बड़ा लिया था जिसके बाद वो ट्रॉमेटाइज हो गई थीं। सोनम ने यह भी कि वो अपने बच्चे की परवरिश में ज्यादा बिजी हो गई थीं। ऐसे में उन्होंने वेट लॉस के बारे में ज्यादा नहीं सोचा।

अपने नए वर्जन को भी एक्सेप्ट किया

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने बेटे के जन्म के बाद काफी वेट गेन कर लिया था और उन्होंने अपनी बॉडी को वैसे ही अपनाया जैसी वो थीं। सोनम बोलीं- 'आपकी लाइफ में सब कुछ बदल जाता है। आपका खुद के साथ रिश्ता, अपने पति के साथ रिश्ता, सब कुछ बदल जाता है। आप कभी भी अपनी बॉडी के बारे में पहले जैसा महसूस नहीं करते। हालांकि, मैंने हमेशा खुद को वैसा ही एक्सेप्ट किया है, जैसी मैं हूं। मैंने सोचा कि मुझे अपना ये वर्जन भी एक्सेप्ट करना चाहिए।' 38 साल की सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के चार साल बाद अगस्त 2022 में कपल बेटे वायु के पैरेंट्स बने थे। वर्क फ्रंट पर सोनम की थिएटर में रिलीज हुई आखिरी फिल्म 'द जोया फैक्टर' थी। इसके बाद जुलाई 2023 में उनकी फिल्म 'ब्लाइंड' ओटीटी पर रिलीज हुई थी।

'मुझे वेट लूज करने में डेढ़ साल का वक्त लगा'

फैशनेबल पर्निया पॉडकास्ट को दिए एक इंटरव्यू में सोनम ने कहा, 'मेरा वजन 35 किलो हो गया था। सच कहूं तो शुरू में मैं सदमे में चली गई थी। वो वक्त भी ऐसा होता है कि आप अपने बेबी से बहुत ऑब्सेस्ड होते हो। उस वक्त आप वर्कआउट करने या फिर अपने खान-पान के बारे में नहीं सोचते। मुझे वेट लूज करने में डेढ़ साल लगा। मैंने इस पर धीरे-धीरे काम किया। आपको थोड़ा स्लो होना भी चाहिए क्योंकि आपको अपने साथ तालमेल बैठाना पड़ता है।'

न्यूली मैरिड लुक में नजर आए रणवीर-आलिया

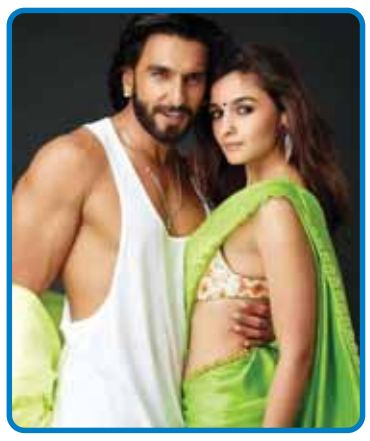

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की शानदार जोड़ी पिछले साल 2023 में करण जौहर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आई थी। दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस के बीच काफी पॉपुलर थी. फिल्म में इन दोनों ने रॉकी रंधावा और रानी चटर्जी का किरदार निभाया था. फिल्म के सुपरहिट होने के बाद फैंस लगातार इन दोनों के दोबारा साथ आने का इंतजार कर रहे हैं, जो शायद पूरा हो चुका है।

जी हां, हाल ही में रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट नजर आ रही हैं और दोनों नवविवाहित जोड़े की भूमिका में नजर आ रहे हैं. वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है. साथ ही फैंस ये भी कयास लगा रहे हैं कि ये दोनों किसी प्रोजेक्ट में साथ आ रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है. दरअसल, दोनों एक विज्ञापन में साथ नजर आ रहे हैं, जिसका वीडियो रणवीर ने शेयर किया है। यह विज्ञापन मेक माई ट्रिप का है। वीडियो में दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है।,

फिर साथ दिखे रणवीर-आलिया!

शेयर किए गए वीडियो में आलिया और रणवीर शादी के जोड़े में नजर आ रहे हैं और एक दूसरे के साथ अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं. इसके बाद दोनों एक दूसरे से अपने पहले सफर के बारे में बात करते नजर आते हैं. जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, दर्शकों को एहसास होता है कि जिस 'पहले' के बारे में बात की जा रही है वह उन दोनों की पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा है। इसके बाद वे अपनी फ्लाइट और होटल बुकिंग के लिए मेक माई ट्रिप का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो में दोनों को एक साथ देखकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं।

केटरीना ने ठुकरा दिया हॉलीवुड का बड़ा ऑफर

इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक कैटरीना कैफ कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं। इस फिल्म में कैटरीना कैफ के साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता विजय सेतुपति नजर आए थे। कैटरीना कैफ स्टारर इस फिल्म की दर्शकों और फिल्म समीक्षकों ने भी जमकर तारीफ की. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कैटरीना कैफ ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें हॉलीवुड फिल्मों के ऑफर मिले थे लेकिन उन्होंने बिना सोचे-समझे इसे ठुकरा दिया था। कैटरीना कैफ ने हॉलीवुड ऑफर ठुकराने की वजह भी बताई है। एक इंटरव्यू में कैटरीना कैफ ने बताया कि उन्हें एक हॉलीवुड रोल ऑफर हुआ था और यह फिल्म उनके करियर में एक अलग मोड़ ला सकती थी. इस इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि भले ही उन्हें हॉलीवुड से ऑफर मिला था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था. कैटरीना कैफ ने कहा, मुझे विश्वास है कि एक दिन ऐसा होगा. अगर मैंने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो यह मेरी किताब में एक नए अध्याय की तरह होता। पिछले साल कैटरीना कैफ सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में भी नजर आई थीं। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इमरान हाशमी ने विलेन की भूमिका निभाई थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में सफल रही थी. फिलहाल कैटरीना कैफ नई फिल्म की तलाश में हैं।

वरुण और टाइगर मचाएंगे बॉक्स ऑफिस पर गदर

फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्माता-निर्देशक करण जौहर हमेशा से ही बड़ी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों में इंडस्ट्री के बड़े-बड़े कलाकार नजर आ चुके हैं, जिससे दर्शकों का मनोरंजन कई गुना बढ़ गया है. करण जौहर एक बार फिर दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं और जल्द ही वरुण धवन और टाइगर श्रॉफ के साथ एक एक्शन फिल्म शुरू करेंगे। इस फिल्म का निर्देशन राज मेहता करेंगे, जो वरुण के साथ जुग जुग जियो बना चुके हैं। एक खबर के मुताबिक, वरुण धवन और टाइगर श्रॉफ ने जुग जुग जियो के डायरेक्टर राज मेहता की अगली फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसे करण जौहर प्रोड्यूस करेंगे. फिल्म की स्क्रिप्ट पर सुमित रॉय काम करेंगे और अनुराग कश्यप इसके डायलॉग लिखेंगे. राज मेहता ने पहले टाइगर के साथ स्क्रू लूज़ शुरू करने की योजना बनाई थी, जो फिल्म कभी फ्लोर पर नहीं जा सकी। वरुण धवन और टाइगर श्रॉफ की पिछली कुछ फिल्में सिनेमाघरों में फ्लॉप रही हैं, जिसके चलते ये दोनों एक सुपरहिट फिल्म की तलाश में हैं। करण जौहर हमेशा से हिट फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या करण जौहर की वजह से वरुण और टाइगर का करियर पटरी पर आएगा या नहीं? टाइगर और वरुण दोनों ही करण जौहर की स्टूडेंट सीरीज से जुड़ चुके हैं, जिससे लोगों को उम्मीद है कि करण अपने स्टूडेंट्स का करियर फिर से शुरू कर देंगे. वैसे आप वरुण और टाइगर को एक बार फिर साथ देखने के लिए उत्साहित हैं।

हार के बाद भी नंबर-4 पर कायम लखनऊ

आईपीएल: आज सीएसके कर सकती है टॉप-3 में वापसी

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में 17वें सीजन के 44 मैच खत्म हो चुके हैं। शनिवार को 2 मैच खेले गए। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले मैच में मुंबई इंडियंस को 10 रन से हराया। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स को दूसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स ने 7 विकेट से हराया। शनिवार के नतीजों के बाद राजस्थान टॉप पर कायम है, वहीं लखनऊ भी टॉप-4 में बरकरार है। दूसरी ओर दिल्ली ने टॉप-5 टीमों में जगह बना ली, वहीं मुंबई 9वें नंबर पर बरकरार है।

आज गुजरात के पास टॉप-5 में आने का मौका

आज भी 2 मैच खेले जाएंगे। पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। गुजरात के 9 मैचों में 4 जीत और 5 हार से 8 पॉइंट्स हैं और टीम 7वें नंबर पर है। आज जीतने पर टीम 10 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर पहुंचेगी। जीत 70 या उससे ज्यादा रन के अंतर से रही तो टीम टॉप-5 में भी पहुंच सकती है। हारने पर टीम 7वें नंबर पर ही रहेगी।

दिल्ली ने बनाई टॉप-5 में जगह

शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 257 रन बनाए। मुंबई ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन टीम 20 ओवर में 247 रन ही बना सकी। दिल्ली की पिछले 5 मैचों में यह चौथी जीत रही। टीम 10 में से 5 मैच जीतकर 10 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गई। दिल्ली ने चेन्नई को छठे स्थान पर धकेला। मुंबई की 9 मैचों में छठी हार रही, टीम इस सीजन महज 3 जीत से 6 पॉइंट्स लेकर 9वें नंबर बरकरार है।

राजस्थान टॉप पर कायम

शनिवार को दूसरे मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 196 रन बनाए। राजस्थान ने 19 ओवर में 3 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। राजस्थान की 9 मैचों में यह 8वीं जीत रही। टीम 16 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर कायम है। राजस्थान अब प्लेऑफ में जगह पक्की करने से महज एक जीत दूर है।लखनऊ की 9 मैचों में चौथी हार रही, टीम 5 जीत से 10 पॉइंट्स लेकर चौथे नंबर पर बरकरार है। इतने ही पॉइंट्स लेकर हैदराबाद और कोलकाता एलएसजी से ऊपर हैं। क्योंकि दोनों का रन रेट लखनऊ से बेहतर है।

सीएसके कर सकती है टॉप-4 में वापसी

रविवार को दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स होमग्राउंड पर सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। सीएसके 8 में से 4 मैच जीतकर 8 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर है। आज का मैच जीतने पर टीम 10 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर पहुंच जाएगी। जीत 40 या उससे ज्यादा रन के अंतर से रही तो टीम नंबर-2 पर भी पहुंच सकती है। हारने पर टीम छठे नंबर पर ही रहेगी।

हैदराबाद के पास दूसरे नंबर पर पहुंचने का मौका

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इस सीजन अपने बैटर्स की वजह से चर्चाओं में है। टीम ने 8 में से 5 मैच उन्हीं के दम पर जीते हैं। हैदराबाद 10 पॉइंट्स लेकर तीसरे नंबर पर है। चेन्नई को हराने पर टीम दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। हारने पर टीम चौथे नंबर पर भी खिसक सकती है।

बुमराह के पास पहुंची पर्पल कैप

एमआई के जसप्रीत बुमराह ने दिल्ली के खिलाफ एक विकेट लिया, इसी के साथ वह 14 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर में पहले नंबर पर पहुंच गए। ष्ट के मुकेश कुमार 13 विकेट के साथ चौथे नंबर पर पहुंचे।

ऑरेंज कैप रेस में पहुंचे सैमसन और राहुल

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन आरसीबी के विराट कोहली ने बनाए हैं, उनके नाम 9 मैचों में 430 रन हैं। आरआर के संजू सैमसन 385 रन के साथ दूसरे और एलएसजी के केएल राहुल 378 रन के साथ तीसरे नंबर पर पहुंचे। डीसी के ऋषभ पंत भी 371 रन के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गए।

भारतीय खिलाड़ी फ्रांस में आयोजित स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं

नेत्रा कुमानन ने दिलाया नौकायन में भारत को दूसरा पेरिस ओलंपिक कोटा

ह्यारेस (फ्रांस), एजेंसी

भारत की नेथ्रा कुमानन आइएलसीए 6 श्रेणी में लास्ट चांस रेगाटा प्रतियोगिता में पांचवें स्थान पर रहीं और नौकायन में पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया। यह नौकायम में भारत का दूसरा ओलंपिक कोटा है। नेथ्रा ने 69 अंक हासिल किए। नेथ्रा दूसरी बार ओलंपिक खेलों में शिरकत करेंगी। इससे पहले उन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक में चुनौती पेश की थी। शीर्ष तीन खिलाड़ियों में रोमानिकया की इबरू, साइप्रस की मेरिलेना मकारी और स्लोवानिया की लिन रहीं। छह बार की ओलंपियन तात्याना ने तटस्थ एथलीट के रूप में भाग लेते हुए चौथा स्थान हासिल किया।

नेत्रा कुमानन ने फ्रांस के हेरेस में 'लास्ट चांस रेगाटा' ओलंपिक क्वालिफायर में भारत के लिए दूसरा पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा ले चुकीं नेत्रा ने महिलाओं की डिंघी (आईएलसीए 6) में हिस्सा लेते हुए 67 अंक हासिल कर पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने 'एमर्जिंग नेशन्स प्रोग्राम' बैनर के अंतर्गत यह कोटा हासिल किया। नौकायन की वैश्विक संस्था वर्ल्ड सेलिंग ऐसे देशों को ईएनपी कार्यक्रम के तहत शीर्ष स्तर पर खेलने का मौका देती है जिन्होंने अभी नौकायन में अपनी ज्यादा बड़ी पहचान नहीं बनाई है। शीर्ष तीन खिलाड़ियों में रोमानिकया की इबरू, साइप्रस की मेरिलेना मकारी और स्लोवानिया की लिन रहीं। छह बार की ओलंपियन तात्याना ने तटस्थ एथलीट के रूप में भाग लेते हुए चौथा स्थान हासिल किया।

मैनचेस्टर सिटी ने दी ब्राइटन को मात

ब्राइटन, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाड़ी फिल फोडेन के दो गोल से मैनचेस्टर सिटी ने गुरुवार को ब्राइटन एंड होव अल्बियन को 4-0 से शिकस्त दी। टीम लगातार चौथी बार प्रीमियर लीग खिताब के करीब पहुंच गई है। इस जीत के साथ सिटी अंकतालिका में 33 मैच में 76 अंक के साथ दूसरे स्थान पहुंची। इससे शीर्ष पर काबिज आर्सेनल पर दबाव बढ़ा, जिसते 34 मैच में 77 अंक है।

खिताब के लिए सिटी को जीतने हैं पांच मुकाबले

लीग में मैनचेस्टर सिटी को पांच मैच जबकि आर्सेनल और लिवरपूल को 4-4 मैच खेलने हैं। सिटी को अब नॉटिंघम फॉरेस्ट, वॉल्वरहैम्पटन, फुलहम, टोटेनहम और वेस्ट हैम के साथ मुकाबले खेलने हैं। यदि मैनचेस्टर सिटी इन मैच में जीत दर्ज करती है तो वह फिर खिताब अपने नाम कर लेगी।

आर्यन, जितेश की एशियाई अंडर-22 व युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीत से शुरुआत

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी

आर्यन (51 किग्रा) और जितेश (54 किग्रा) ने शनिवार को यहां एएसबीसी एशियन अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में अपने मुकाबले जीतकर पहले दिन भारत को जीत से शुरुआत करायी। आर्यन ने दक्षिण कोरिया के जो ह्योन वू को और जितेश ने चीनी ताइपे के चेन यू चेन को 5-0 के समान अंतर से हराया। अन्य मुक्केबाज जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) बाद में रिंग में उतरेंगे। जदुमणि सिंह एम (51 किग्रा), आकाश गोरखा (60 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) रविवार को अंडर-22 वर्ग में अपना अभियान शुरू करेंगे। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति (54 किग्रा) मंगलवार को महिलाओं के अंडर-22 वर्ग में उज्बेकिस्तान की उक्तामोवा निगिना के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। प्रीति ने पहले ही पेरिस ओलंपिक में जगह पक्की कर ली है।

कोलेस्ट्रॉल-शुगर को कंट्रोल रखना मुश्किल नहीं, घर में ही मौजूद है इसका कारगर उपाय

हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े हुए शुगर का स्तर मौजूदा समय में सेहत के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। हर उम्र के व्यक्तियों में इसके जोखिम देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं अनियंत्रित ब्लड प्रेशर से हृदय रोगों-हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है, वहीं हाई शुगर के कारण डायबिटीज और तंत्रिकाओं से संबंधित विकारों का खतरा बढ़ सकता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल में रखना जरूरी है।

Life&Style METRO

तुलसी ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में सहायक

शोधकर्ताओं ने बताया तुलसी में ऐसे औषधीय गुण होते हैं जो टाइप-2 डायबिटीज रोगियों को ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में मददगार हो सकते हैं। पशु और मानव दोनों पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि तुलसी मधुमेह के लक्षणों को रोकने में मददगार साबित हो सकती है। रक्त में अतिरिक्त इंसुलिन, उच्च कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में होने वाली हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल रखने में भी तुलसी फायदेमंद हो सकती है।

हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद

शोधकर्ताओं ने पाया जिन लोगों को हार्ट की समस्या है उन्हें नियमित रूप से तुलसी की पत्तियों का सेवन करना चाहिए। तुलसी के पत्तों का सेवन उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में लाभकारी हो सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि तुलसी में मौजूद तेल (यूजेनॉल) तनाव-प्रेरित कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। तुलसी के पत्ते का पाउडर खाने के बाद मधुमेह वाले और बिना मधुमेह वाले चूहों में कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आई।

तुलसी के औषधीय गुण

कई अध्ययनों में तुलसी से सेहत को होने वाले फायदों के बारे में पता चलता है। तुलसी की पत्तियों के अलावा इसके बीज और अर्क को भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है। तुलसी पोषक तत्वों से भी परिपूर्ण होती है इसमें विटामिन-ए और सी के साथ कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। तुलसी के औषधीय गुण शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में सहायक हो सकती है।

तुलसी का काढ़ा बहुत लाभदायक

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया दैनिक आहार में तुलसी को कई प्रकार से शामिल करके इससे लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तुलसी की चाय, इसकी पत्तियों या अर्क का सेवन करके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। तनाव-चिंता जैसे विकारों में भी इसके लाभ हैं। साथ ही और भी लाभदायक है।

नवविवाहिता से जेठ ने किया बलात्कार

पीड़िता को दी जान से मारने की धमकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीला जमालपुरा में नव विवाहिता के साथ ज्यादती का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी थी। तीन महीने तक महिला आरोपी के डर से चुप रही। शनिवार की दोपहर को पीड़िता भाभी और बहन के साथ थाने पहुंची। जहां उसने आरोपी जेठ की करतूत को बताया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अर्जुन नगर थाना एमपी नगर इलाके में 23 वर्ष की महिला रहती है। 2 दिसंबर 24 को उसकी शादी टीला जमालपुरा इलाके में स्थित इसलामी गेट के पास हुई थी। पति का बड़ा भाई शादी के बाद से ही बहू पर बुरी नजर रखता था। 9 जनवरी 24 को रात के समय पीड़िता अपने कमरे में थी। तभी आरोपी जेठ वहां पहुंच गया। उसने नव विवाहित बहू के साथ ज्यादती की। विरोध करने पर आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहा था।

फाइल फोटो

डर के कारण तीन महीने तक चुप रही

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी के डर के कारण वह तीन महीने तक चुप रही। घटना के बाद वह डिप्रेशन में आ चुकी थी। पिछले दिनों मायके गई तो भाभी और बहन ने उससे गुमसुम रहने की वजह पूछी। तब उसने अपने साथ हुई ज्यादती की बात दोनों को बताई। शुक्रवार को पीड़िता थाने पहुंची। शिकायती आवेदन दिया, शनिवार की शाम को पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

दिनदहाड़े सूने मकान से नगदी व जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र सईद नगर में दिनदहाड़े सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी समेत हजारों रुपए के जेवरात चुराकर ले गए। पुलिस ने नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ऊषा रैकवार (58) मूलतः ग्राम पठारी जिला विदिशा की हैं। इन दिनों वह सईद नगर कोहेफिजा में किराए के मकान रहती हैं और साफ-सफाई का काम करती हैं। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे ऊषा अपने कमरे की कुंदी पर ताला लगाकर काम पर चली गई थी। दोपहर करीब ढाई बजे वापस लौटी तो दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर बैग में रखे करीब साड़े तीन हजार रुपए नगद, चांदी की करधोनी, एक जोड़ी चांदी की पायल, दो चांदी की चूड़ियां, एक जोड़ी कान की सोने की झुमकी, दो सोने की कान की बाली, एक सोने की लौंग समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर पिपलानी इलाके में सड़क किनारे खड़ी एक गन्ने की चरखी रात के समय बदमाश चोरी कर ले गए।

राजधानी में आधा दर्जन दो पहिया वाहन चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर के विभिन्न इलाकों से चोर आधा दर्जन दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक मोहम्मद अबलास (27) इंद्रविहार कालोनी एयरपोर्ट रोड पर रहते हैं और तेंदूपत्ता खरीदकर बीड़ी बनाने का काम करते हैं। गुरुवार की रात उन्होंने अपनी मोटर सायकिल घर के बाहर खड़ी की थी। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे देखा तो उनकी बाइक गायब थी। दिनभर तलाश करने के बाद भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर अशोका गार्डन थानांतर्गत औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी के बाहर खड़ी अनिल शर्मा, इंद्रपुरी पिपलानी से अमित तिवारी, रिसालदार कालोनी गौतम नगर से राहुल साहू, कोलार रोड स्थित निजी अस्पताल की पार्किंग से उद्देश्य कुमार पटेल और छोला दशहरा मैदान के गेट के सामने खड़ी प्रेमसिंह की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सवारी बनकर ऑटो में बैठे चोर, ऑटो लेकर भागे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया इलाके में सवारी बनकर बैठे बदमाश ऑटो लेकर भाग निकले। पुलिस ने चालक की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर लिया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक फरियादी सुरेश कुमार सवारी आटो चलाते हैं। गुरुवार की रात करीब पौने एक बजे वह अपने आटो में सवारी बिठाकर करोंद चौराहे से कोच फैक्ट्री छोड़ने के लिए निकले थे। रात करीब डेड़ डेड़ बजे कोच फैक्ट्री पहुंचने पर उन्होंने ऑटो सड़क किनारे खड़ा किया और उतरकर बाथरूम करने लगे। इसी बीच उनके आटो में सवारी बनकर बैठे बदमाश आटो लेकर मौके से भाग निकले। रातभर इधर-उधर तलाश करने के बाद भी जब आटो का कुछ पता नहीं चला तो शुक्रवार सुबह सुरेश कुमार ने बजरिया थाने पहुंचकर आटो चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल आटो का कुछ पता नहीं चल पाया है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने किया गिरफ्तार

कार्रवाई: मादक पदार्थ तस्कर से 1.20 लाख रु. का गांजा बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। क्राइम ब्रांच की टीम ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास अवैध रूप से रखा 1.20 लाख रुपये कीमत का गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि सुभाष नगर आरओबी के पास एमपी नगर में एक लड़का पिट्ठू बैग लेकर खड़ा है, जिसके बाद मादक पदार्थ हो सकता है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम ने संदेही युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विखिल उर्फ विक्की विश्वकर्मा (22) निवासी छोला रोड गौतम नगर बताया। पुलिस ने जब उसका पिट्ठू बैग चैक किया तो अंदर 6 किलो 100 गांजा रखा मिला, जिसे जब्त कर लिया गया। आरोपी उक्त मादक पदार्थ कहां से लेकर आया था और कहां पर सप्लाई करने वाला था, इसको लेकर पूछताछ की जा रही है।

बुजुर्ग व्यक्ति के पास से बरामद हुआ 13 हजार रुपए कीमत का गांजा

रातीबड़ पुलिस ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को मादक पदार्थ गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से मिले गांजे की कीमत 13 हजार रुपये बताई गई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद रंग का कुर्ता पाजामा पहने एक बुजुर्ग व्यक्ति मुंगालिया छाप मस्जिद के पीछे गांजे की सप्लाई करने आने वाला है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की एक टीम ने इलाके में नजर रखी। कुछ देर बाद बताए गए हुलिया का व्यक्ति दिखाई दिया तो पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में बुजुर्ग ने अपना नाम मदनलाल (60) निवासी मुंगालिय छापा थाना रातीबड़ बताया। उसके पास मौजूद सफेद रंग के प्लास्टिक के झोले की तलाशी लेने पर अंदर 820 ग्राम मादक पदार्थ गांजा रखा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी गांजे की सप्लाई कितने से दिनों से कर रहा था, इसको लेकर पूछताछ की जा रही है।

हुक्का कैफे लाउंज पर छापेमारी, 9 गिरफ्तार

जहांगीराबाद पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात डी-मार्ट के पास नीलम कॉलोनी में एक हुक्का कैफे पर छापेमारी कर अवैध रूप से हुक्के का सेवन कर रहे 9 लोगों को गिर तार किया है। सभी आरोपियों के खिलाफ सिगरेट तंबाकू अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जमानतीय अपराध होने के कारण सभी आरोपियों को थाने से जमानत दे दी गई। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे पुलिस की टीम ने नीलम कॉलोनी में कैफे नाम से चल रहे हुक्का लाउंज पर छापे की कार्रवाई कर दी। पुलिस को देखते ही कैफे में हड़कंप मच गया। अवैध रूप से हुक्का का सेवन कर रहे लोगों ने वहां से भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस की घेराबंदी के आगे उनकी एक न चली। पुलिस ने मौके से दीपक साहू, उत्कर्ष सिंह, मुबशिर, मकसूद, जोहेब, समीर जैद, फरहान व सऊद को गिरफ्तार किया है। कैफे से बड़ी संख्या में हुक्का व लेवर्ड तंबाकू बरामद किया गया है।

जिला बदर का उल्लंघन करते बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंगलवारा पुलिस ने जिला बदर का उल्लंघन करते हुए बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि एक बदमाश चाकू लेकर इलाके में घूम रहा है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान नदीम पुत्र हलीम 22 निवासी अशोका गार्डन के रूप में की गई। आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि वह अशोका गार्डन का निगरानी बदमाश है और उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। आदतन बदमाश होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। बावजूद इसके आरोपी मंगलवारा इलाके में चाकू लेकर घूम रहा था।

दोस्तों के साथ बड़े तालाब नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तलैया थानांतर्गत शीतला माता मंदिर के पास शनिवार सुबह बड़े तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। वह अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाने के लिए पहुंचा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक विजय सिंह सेन पुत्र कोमल सिंह सेन (12) भानपुर रोटरी के पास झुग्गीबस्ती में रहता था और कबाड़ा बीनने का काम करता था। उसकी मां दिव्यांग है और पिता भी कबाड़ा बीनने का काम करते हैं। शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे विजय सिंह अपने पांच-छह दोस्तों के साथ घूमते हुए बड़े तालाब स्थित शीतला माता मंदिर के पास पहुंचा।

सभी बच्चे तालाब में नहाने के लिए उतर गए। कुछ देर बाद गहराई में जाने के कारण विजय सिंह पानी में डूब गया। साथी बच्चों के शोर मचाने पर पहुंचे गोताखोरों ने विजय का शव बाहर निकाला। सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

दमे की बीमारी से परेशान युवक ने फांसी लगाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एक युवक ने घर में फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच में पता चला है कि वह दो साल से दमे की बीमारी से परेशान था। सुनील चिढ़ार समरधा झुग्गी बस्ती में रहता था। परिवार में उसके दो छोटे भाई व माता-पिता हैं। यह परिवार मूलतः विदिशा जिले का रहने वाला है। शुक्रवार को परिवार के सभी लोग अपने-अपने काम पर चले गए थे। शाम को जब मां घर लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद भी सुनील ने अंदर से दरवाजा नहीं खोला तो पड़ोसी ने खिड़की से झांककर देखा। अंदर सुनील फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

मेट्रो एंकर पत्नी और बेटी के शादी से घर लौटने पर हुआ घटना का खुलासा

सुबह रैली में शामिल हुआ फिर घर आकर युवक ने लगाई ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ इलाके में शनिवार सुबह एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब दोपहर को उस समय हुआ जब पत्नी और बेटी शादी से घर लौटे। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके है।

पुलिस के अनुसार शिव नगर फेस टू नीलबड़ निवासी मनोहर कटारिया (45) प्राइवेट काम करता था। परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। झागरिया में किसी करीबी रिश्तेदार के घर शादी होने वह पत्नी और दोनों बच्चों के साथ समारोह में शामिल होने गया था। शुक्रवार रात वह बेटे के साथ घर लौट आया था जबकि पत्नी और बेटी झागरिया में ही थे। सुबह मनोहर ने अपने बेटे से कहा कि जाकर अपनी मां व बहन को लेकर आ जा। बेटा अपनी मां व बहन को लेकर झागरिया चला गया था। इस बीच सुबह करीब 9 बजे मनोहर इलाके में निकलने वाले राजनीति रैली में शामिल हुआ था और करीब आधा घंटे बाद लौट आया। दोपहर करीब 3 बजे पत्नी और दोनों बच्चे झागरिया से घर लौट आए। घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। किसी तरह दरवाजा खोलकर देखा तो मनोहर की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

खेत की मेड़ पर युवक ने लगाई फांसी

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित ग्राम रसूलिया पठार में शनिवार दोपहर एक युवक ने अपने खेत की मेड़ पर लगे करंजी के पेड पर फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सतीश उर्फ छोटू मीणा तिपा कैलाश मीणा (27) गांव रसूलिया पठार, में रहता था। सतीश मंडीदीप की फैक्ट्री में काम करता था। करीब दो महीने से वह अपने गांव में ही था। शनिवार दोपहर करीब डेड़ बजे के आसपास वह घर से बाहर निकला था। डेड़ घंटे बीत गए पर वह घर नहीं लौटा तो परिजन ने उसके मोबाइल पर कॉल किया था। कॉल करने पर पता चला कि सतीश का मोबाइल घर पर ही है। परिजन उसे देखने के लिए घर के बाहर निकले तो घर से करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर मेड़ पर लगे पेड़ पर उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की तलाशी ली, पर उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजन अभी शोकाकुल है और कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022